तापमान
अधिकतम 31.2 डिग्री
न्यूनतम 21.1 डिग्री

हरिभूमि
सोनीपत भूमि
रोहतक, सोमवार, 1 सितंबर 2025

9 गोहाना में भाजपाइयों ने राहुल गांधी का पुतला फूंका

10 रात्रि ठहराव : प्रशासन ने सुनीं नागरिकों की समस्याएं

खबर संक्षेप

राई में सांप के काटने से युवक की मौत

सोनीपत। राई थाना क्षेत्र में सांप के काटने से युवक की मौत होने का मामला सामने आया है। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर नागरिक अस्पताल में भिजवाया। जहां शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सुपुर्द कर दिया। पुलिस ने विसरा सैंपल लेकर जांच के लिए भेजा है। दयानंद नगर शामली हाल में गांव राई में संदिग्ध हालत में तबीयत खराब हो गई। वह अपने कमरे में सो रहा था। परिजन उसे लेकर नागरिक अस्पताल में पहुंचे। जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिजनों ने बताया कि कमरे के अंदर सांप देखा गया। उसे सांप ने काट लिया था। जिसके चलते उसकी मौत हो गई।

बाइक और फोन छीनने का आरोपित गिरफ्तार

सोनीपत। क्राइम यूनिट पश्चिम सोनीपत पुलिस टीम ने मोटर साइकिल व मोबाइल फोन छीनने के आरोपित को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित हिमांशु उर्फ मोनू निवासी श्याम नगर का रहने वाला है। पुलिस ने आरोपित को अदालत में पेश किया। जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। बक्करवाला दिल्ली निवासी दिलबाग ने गत 28 जून 2024 को पुलिस से शिकायत देकर बताया था कि वह मुरथल ढाबे पर खाना खाने के लिए आया था। वह गली में बाइक खड़ी करके बाथरूम करने लगा ते चार युवक आए बाइक की चाबी छीन ली। उसका मोबाइल व एटीम कार्ड छीनकर जेब में डालकर फरार हो गए।

ट्रैक्टर चोरी के आरोपी को जेल भेजा

सोनीपत। कुंडली थाना पुलिस ने ट्रैक्टर चोरी की घटना में संलिप्त आरोपित को प्रोडक्शन वारंट पर लेकर गिरफ्तार किया है। आरोपित की पहचान अर्जुन उर्फ राहुल निवासी जिला शामली के रूप में हुई है। आरोपित को अदालत में पेश किया। जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। वहीं थाना सदर सोनीपत पुलिस ने कामी चौक के पास से गांव देवडू निवासी रितेश को गिरफ्तार किया। आरोपित की पैंट से एक देशी पिस्तौल 315 बोर व एक कारतूस बरामद किया गया। उस पर मामला दर्ज कर आरोपित को जेल भेज दिया गया।

अवैध हथियार सहित दो युवक पकड़े

सोनीपत। थाना कुण्डली पुलिस ने गश्त के दौरान खुफिया जानकारी पर प्याऊ मनियारी निवासी कन्हैया को काबू किया। तलाशी लेने पर उसकी पैंट से एक देसी कट्टा 315 बोर व एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। आरोपित के खिलाफ कुंडली थाने में मुकदमा दर्ज कर अदालत में पेश किया। जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। वहीं थाना सदर सोनीपत पुलिस ने कामी चौक के पास से गांव देवडू निवासी रितेश को गिरफ्तार किया। आरोपित की पैंट से एक देशी पिस्तौल 315 बोर व एक कारतूस बरामद किया गया। उस पर मामला दर्ज कर आरोपित को जेल भेज दिया गया।

युवकों से हथियार बरामद, जेल भेजे

सोनीपत। क्राइम यूनिट पश्चिम (सीआईए-1) की टीम ने कामी रोड गंदा नाला के पास जटवाड़ा निवासी कुलदीप उर्फ विक्रम को काबू किया। उसके पास से एक देशी पिस्तौल 315 बोर व एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। जांच में खुलासा हुआ कि यह हथियार उसे औंकार निवासी मुजफ्फरनगर ने उपलब्ध कराया था। दोनों आरोपितो को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया। वहीं इसी दिन मिशन चौक के पास से बैंय्यापुर निवासी आयुष को गिरफ्तार किया गया। तलाशी में उसकी लोअर से एक देशी पिस्तौल 315 बोर व एक जिंदा कारतूस मिला। आरोपित के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे न्यायिक हिरासत में भेजा।

डेढ़ घंटे की बारिश में डूब गया सोनीपत, सड़कें बन गई झील

शहर में तीन से चार फीट पानी भरा, जल निकासी फेल | **बारिश ने किया सोनीपत को ठप, दो हिस्सों में बंटा शहर** | **ककरोई चौक पर एंबुलेंस फंसी, बाजार-पॉश इलाकों में पानी ही पानी**

कहां कितनी बारिश

ब्लॉक	बारिश (एमएम)
सोनीपत	80
गन्नौर	24
गोहाना	00
खरखौदा	00
खानपुर कलां	43
राई	30

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

सोनीपत में रविवार को हुई मूसलाधार बारिश ने शहर को जलमग्न कर दिया। मात्र डेढ़ घंटे की बरसात में सड़कों पर तीन से चार फीट तक पानी भर गया। मुख्य बाजारों से लेकर पॉश कॉलोनियों तक जलभराव से लोग बेहाल हो गए। शनि मंदिर अंडरब्रिज तालाब में बदल गया और शहर दो हिस्सों में बंटकर ठप हो गया। वहीं मौसम विभाग ने दो दिनों के लिये बारिश का अलर्ट जारी किया है। रविवार की बारिश ने एक बार फिर साबित कर दिया कि नगर निगम के दावों के बावजूद शहर की जल निकासी व्यवस्था पूरी तरह फेल है। शहरवासी आशंकित हैं कि अगर अगले दो दिन और बारिश हुई तो हालात और बिगड़ सकते हैं।

रविवार सुबह करीब 8 बजे शुरू हुई तेज बारिश ने शहर की जल निकासी व्यवस्था की पोल खोल दी। आधे घंटे तक हुई मूसलाधार बारिश और उसके बाद करीब एक घंटे तक रुक-रुककर हुई बूंदाबांदी ने जगह-जगह जलभराव की स्थिति पैदा कर दी। गीता भवन चौक, ककरोई चौक, सूरी पेट्रोल पंप वाली गली, देव नगर, विकास नगर, वेस्ट रामनगर के साथ-साथ सेक्टर 14, सेक्टर 15 और मॉडल टाउन जैसे पॉश इलाकों में भी पानी भर गया। कई जगहों पर पानी का स्तर तीन से चार फीट तक पहुंच गया। आंकड़ों की बात करें तो जिले में सबसे अधिक बारिश सोनीपत शहर में 80 एमएम दर्ज की गई।

ककरोई चौक

एंबुलेंस फंसी, मरीज की जान पर बनी आफत

ककरोई चौक पर जलभराव में एक एंबुलेंस भी पानी में फंस गई। एक मरीज को खानपुर मेडिकल कॉलेज लेकर जा रही एंबुलेंस को लोगों ने धक्का लगाकर वाहन को निकाला। जलभराव के कारण कई जगह गाड़ियां बंद हो गईं और वाहन चालक उन्हें धक्का लगाकर निकालते नजर आए। नालों के ओवरफ्लो होने से पानी सड़क पर बहता रहा।

अंडरब्रिज बना तालाब, दो हिस्सों में बंटा शहर

शनि मंदिर अंडरब्रिज एक बार फिर तालाब में बदल गया। वहीं गीता भवन आरओबी के दोनों ओर भी पानी भरने से आवाजाही पूरी तरह ठप हो गई। जिसकी वजह से शहर दो हिस्से में बंट गया। रेलवे लाइन पार करने के लिये लोगों को लंबा रास्ता तय करना पड़ा। शहर के बाजारों और मुख्य चौक-चौराहों पर पानी भर जाने से दिनभर जाम की स्थिति रही। गीता भवन चौक और ककरोई चौक जैसे व्यस्त स्थानों पर वाहनों की लंबी कतारें लगीं। कई दुकानें और घरों के आंगन में भी पानी घुस गया।

आज फिर हो सकती है भारी बारिश

सोमवार को जिले में भारी बारिश के आसार हैं, जबकि मंगलवार को भी बारिश की संभावना बनी हुई है। लगातार बारिश का असर धान और अन्य खरीफ फसलों पर दिखाई देने लगा है।
-डॉ. प्रेमदीप, वैज्ञानिक, कृषि विज्ञान केंद्र, जगदीशपुर।

करोड़ों की लागत से बनी सड़क सुरंग में तब्दील

सोनीपत। शहर में रविवार को हुई करीब आधे घंटे की मूसलाधार बारिश में दिल्ली-एनसीआर से सटे सोनीपत में हुई तेज बरसात के बाद कपड़ा मार्केट और फेज बाजार को जोड़ने वाली सड़क सुरंग में तब्दील हो गई। करोड़ों रुपए की लागत से बनी यह सड़क बारिश की मार नहीं झेल पाई और धंस गई। यह घटना न केवल निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर सवाल खड़े कर रही है, बल्कि शहरवासियों में भी गहरी चिंता का कारण बनी हुई है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि यह सड़क करीब एक साल पहले ही बनी थी, लेकिन बारिश के चलते सड़क में अचानक आई दरार और धंसान ने आसपास के मकानों और दुकानों को खतरे में डाल दिया है। लोग आशंका जता रहे हैं कि अगर यह दरार और बड़ी हुई तो आसपास की इमारतों को भी भारी नुकसान हो सकता है। वहीं नगर निगम और ठेकेदार पर सवाल उठाते हुए लोगों ने कहा कि करोड़ों रुपए खर्च होने के बावजूद सड़क इस हाल में पहुंच गई, इससे काम की गुणवत्ता का अंदाजा लगाया जा सकता है।

घटना के बाद नगर निगम अधिकारियों ने बताया कि इस सड़क का निर्माण कार्य करने वाले ठेकेदार का भुगतान पहले ही रोक दिया गया था। अब निगम की टीमें मौके का निरीक्षण कर रही हैं और जल्द मरम्मत का काम शुरू किया जाएगा।

कपड़ा मार्केट में पहुंचे विधायक निखिल मदान, दिए निर्देश

सीवरलाइन क्षतिग्रस्त होने के कारण सड़क धंसने की शिकायत मिलने पर विधायक निखिल मदान ने मौके का निरीक्षण किया और मौके पर ही निगम अधिकारियों को बुलाकर तुरंत प्रभाव से सीवरलाइन के मेन होल को बदलने और सड़क निर्माण के आदेश दिए। मौके पर स्थानीय पार्षद सुरेन्द्र नैय्यर और स्थानीय नागरिक मौजूद रहे। विधायक निखिल मदान ने कहा कि इस काम को आज रात को ही करने के आदेश उन्होंने अधिकारियों को दिए हैं।

स्कूल में लाइसेंसी हथियार लेकर पहुंचा था छात्र का पिता, गिरफ्तार, जेल भेजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

हथियार और छह कारतूस बरामद

मामले में पुलिस ने आरोपित सोमबीर व अन्य के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया था। मामले में कार्रवाई करते हुए उप निरीक्षक राजेश की टीम ने आरोपित सोमबीर को गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से लाइसेंसी हथियार व छह जिंदा कारतूस बरामद किए हैं।

शहर थाना क्षेत्र स्थित निजी स्कूल में प्रबंधन की तरफ से छात्रों की कहासुनी के बाद स्कूल में बुलाए दो पक्षों में झगड़ा होने व हथियार निकालकर लहराने व गोली मारने की धमकी देने के आरोपित को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपित सोमबीर निवासी ताजपुर तिहाड़ा खुर्द का है। पुलिस ने आरोपित को अदालत में पेश किया। जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। पुलिस ने आरोपित से लाइसेंसी हथियार व छह जिंदा राउंड बरामद किए हैं। सेक्टर-23 निवासी पवन ने पुलिस को शिकायत देकर बताया कि गत 27 अगस्त को बच्चों की झगड़े को लेकर स्कूल प्रबंधन की तरफ से स्कूल में दोनों पक्षों को बुलाया गया था। जिसको लेकर अध्यापक ने दोनों पक्षों में समझौता करवा दिया था। उसके बाद उन्हें शनिवार को स्कूल प्रबंधन ने बुलाया था। इस मामले में गत 30 अगस्त को सोमबीर व उसकी मां सहित बाहरी व्यक्ति स्कूल में पहुंचे। जहां उनके साथ मारपीट की। आरोप है कि सोमबीर ने हथियार लहराकर उसे जान से मारने की धमकी दी। घायल अस्पताल में पहुंचा, जहां चिकित्सक ने उपचार के बाद उसे छुट्टी दे दी।

पानी की निकासी नहीं, गढ़ी कला के लोगों ने किया विरोध

■ गांव में बदबू और गंदगी फैली

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गन्नौर

गढ़ी कला गांव में दूषित पानी की समस्या ने रविवार को ग्रामीणों को सड़कों पर उतरकर प्रशासन के खिलाफ विरोध किया। ग्रामीणों का कहना है कि लंबे समय से गलियों और सड़कों पर गंदा पानी जमा है, जिससे बदबू और गंदगी फैल रही है। निकासी व्यवस्था न होने के कारण लोगों को आवागमन में भारी परेशानी उठानी पड़ रही है और हालात दिन-प्रतिदिन बिगड़ते जा रहे हैं। ग्रामीण सोमबीर, सलीम, सोनू और शौकीन ने बताया कि वे कई बार अधिकारियों को शिकायत दे चुके हैं, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। यहां तक कि उपायुक्त और विभागीय अधिकारियों को भी समस्या से अवगत कराया गया, बावजूद इसके नालियों की सफाई तक नहीं करवाई गई। स्थिति यह है कि गांव की सफाई व्यवस्था पूरी तरह चरमराई हुई है और बरसात के दिनों में गंदगी और ज्यादा बढ़ जाती है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि अनदेखी के कारण गांव में बीमारियों का खतरा मंडरा रहा है। वहीं उन्होंने यह भी कहा कि गांव में बेवजह नई गलियों का निर्माण कराया जा रहा है, जबकि पुरानी गलियां ठीक थीं। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द समस्या का समाधान नहीं हुआ तो वे धरना-प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे।

गन्नौर। समस्या को लेकर विरोध जताते गढ़ी कला के ग्रामीण।

हत्या व हमले के मामले में दो और गिरफ्तार किए

सोनीपत। जिले की एसयूएजी यूनिट सेक्टर-7 पुलिस टीम ने बहालगढ़ जीटी रोड स्थित वीर ढाबा पर युवक की गोली मारकर हत्या करने और दूसरे युवक पर जानलेवा हमला करने की वारदात में संलिप्त दो और आरोपियों को दबोच लिया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान दीपक उर्फ सोनू पुत्र बलराज और मनु पाल उर्फ मेनपाल पुत्र सूरजभान निवासी गांव सिवाह, जिला पानीपत के रूप में हुई है। पंजाब के जालंधर निवासी प्रीत कमल ने थाना बहालगढ़ में शिकायत दर्ज कराई थी कि उसका मित्र कपिल अंतिल दो दिनों से फोन नहीं उठा रहा था।

ताबड़तोड़ गोलियां बरसाई थी

इसके बाद कपिल से बातचीत हुई तो वह दिल्ली से सोनीपत आया। रास्ते में उसकी मुलाकात दीपक (गुहणा निवासी) और मंदीप (कपिल का चचेरा भाई) से हुई। तीनों वीर ढाबा, जीटी रोड बहालगढ़ पर रुके ही थे कि अचानक एक कार उनके पास आकर रुकी। कार में बैठे हथियारबंद युवकों ने दीपक पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसाईं, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, मंदीप गंभीर रूप से घायल हो गया और बाद में उसे उच्च अस्पताल रेफर किया गया। मामले में थाना बहालगढ़ में भारतीय न्याय संहिता व शस्त्र अधिनियम की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था। एसएयूजी यूनिट पहले ही इस मामले में राकेश उर्फ फौजी, अनिल उर्फ लीला, राहुल उर्फ भुर्री, राकेश उर्फ पम्पु और गौरव उर्फ रॉकी को गिरफ्तार कर लिया था।

बस स्टैंड बिल्डिंग की सुध लेने की जरूरत

बस अड्डे पर दिल्ली काउंटर का प्लास्टर गिरा पुराना हो चुका भवन, यात्रियों में हादसे का डर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

सोनीपत रोडवेज बस अड्डे के दिल्ली काउंटर का छज्जा टूटकर गिरने के बाद विभाग ने मरम्मत कार्य शुरू कर दिया है। फिलहाल दिल्ली रूट की बसों का संचालन अन्य काउंटरों से किया जा रहा है। 40 साल से अधिक पुराना यह भवन जर्जर हालत में है, जिससे यात्रियों और कर्मचारियों को हमेशा प्लास्टर गिरने का डर बना रहता है। बता दें कि सोनीपत बस अड्डा भवन वर्षों पुराना और जर्जर हो चुका है। बरसात के दिनों में अक्सर छत से पानी टपकने और प्लास्टर टूटकर गिरने की घटनाएँ सामने आती रही हैं। हाल ही में दिल्ली रूट काउंटर का प्लास्टर गिरा, हालांकि कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ। इसके बाद रोडवेज ने यहां मरम्मत कार्य शुरू करा दिया।

सोनीपत। बस अड्डा परिसर में चल रहा मरम्मत का कार्य।

मरम्मत शुरू

दिल्ली काउंटर का प्लास्टर टूटकर गिर गया था। कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ। छज्जे की मरम्मत का काम शुरू करा दिया गया है, जिसे जल्द पूरा कर लिया जाएगा। इसके बाद यात्रियों को कोई दिक्कत नहीं होगी।
-संजय कुमार, महाप्रबंधक रोडवेज डिपो सोनीपत।

रोजाना दस हजार से अधिक यात्रियों की आवाजाही, नए बस अड्डे की मांग

सोनीपत बस अड्डे से रोजाना दस हजार से अधिक यात्री सफर करते हैं। यहाँ से 36 से अधिक रूटों पर बसें चलाई जाती हैं, जिनके लिए 12 काउंटर बनाए गए हैं। इनमें दिल्ली रूट सबसे व्यस्त है, जहां से रोजाना 22 फेरों के साथ 5 ई-बसों का संचालन होता है। फिलहाल यात्रियों को बसें पकड़ने के लिए अन्य काउंटरों का सहारा लेना पड़ रहा है। रोडवेज अधिकारियों ने बताया कि भवन के जर्जर होने के कारण मुख्यालय को नए बस अड्डे के निर्माण की मांग भेजी गई है। प्रक्रिया शुरू हो चुकी है, लेकिन अब तक नई जगह तय नहीं हुई है।

डेंगू के दो नए केस, अब 29 हुई मरीजों की संख्या

सोनीपत। जिले में डेंगू के दो नए मामले सामने आने के बाद मरीजों की कुल संख्या बढ़कर 29 हो गई है। स्वास्थ्य विभाग ने बढ़ते मामलों को देखते हुए निगरानी और रोकथाम की गतिविधियां तेज कर दी हैं। विभाग की टीमों ने प्रभावित इलाकों में घर-घर जाकर सर्वे शुरू कर कर रही है। लोगों को पानी एकत्रित न होने देने, मच्छरदानी का प्रयोग करने और पूरी बाजू के कपड़े पहनने की सलाह दी जा रही है। डेंगू व मलेरिया अधिकारी डॉ. योगेश गोयल ने बताया कि अब तक मिले सभी मरीजों का उपचार किया जा रहा है और फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है।

हालात पर नजर बनाएं हुए हैं

डेंगू व मलेरिया अधिकारी डॉ. योगेश गोयल ने स्वास्थ्य विभाग लगातार हालात पर नजर बनाए हुए है और हर नए मामले पर तुरंत कार्रवाई की जा रही है। विभाग की ओर से जिलेभर में एंटी-लारवा गतिविधियां चलाने के साथ-साथ विभिन्न स्थानों पर फॉगिंग भी कराई जा रही है, ताकि मच्छरों के प्रकोप को रोका जा सके। अधिकारी ने कहा कि डेंगू से बचाव का सबसे कारगर तरीका सतर्कता और साफ-सफाई है। इसीलिए लोगों से अपील की गई है कि वे अपने घरों और आस-पड़ोस में पानी जमा न होने दें। साथ ही, बच्चों व बुजुर्गों को मच्छरदानी का उपयोग करने के लिए प्रेरित करें।स्वास्थ्य विभाग का कहना है कि यदि लोग स्वयं भी सतर्क रहें और प्रशासन का सहयोग करें तो डेंगू के फैलाव को रोका जा सकता है।

वह मन ही मन पछताने लगा, 'काश उसने मास्टर प्रीतम पाल की डांट और मार खा ली होती, तो वे उसे इतना योग्य ज़रूर बना देते कि उसे गणित को लेकर जीवन में मार नहीं खानी पड़ती।' अपने गणित अध्यापक के खिलाफ किए गए षड्यंत्र को याद कर उसकी आंखें भर आईं। उसे लगा कि यह उन्हीं का श्राप है, जिसने आज उन्हें इस चौराहे पर लाकर खड़ा कर दिया है। उसका मन हुआ कि वह अपने गुरु प्रीतम पाल के पास जाकर उनके पैरों में गिर जाए और माफ़ी मांगे।

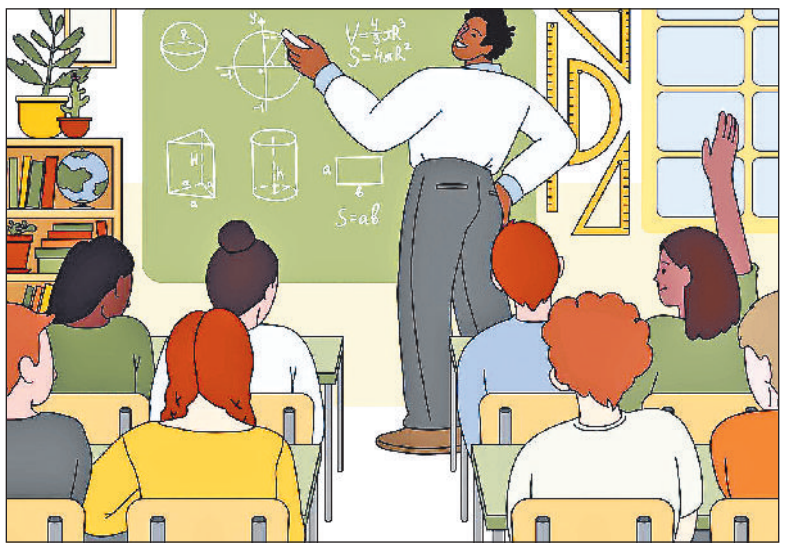

कहानी

मधुकांत

बहुत याद आए मास्टर प्रीतम पाल

अचानक रंजन को प्रिंसिपल के कमरे में बुलाया गया। वहां अपने चाचा को बैठा देख वह चौंक गया। किसी ने कुछ नहीं बताया, बस चाचा उसे अपने साथ घर ले आए। वह हैरान-परेशान था कि कोई उसे कुछ बता क्यों नहीं रहा। घर पहुंचने पर उसे पता चला कि उसके पिता गुलाब राय का हार्ट अटैक से निधन हो गया है। एक पल में सब कुछ बिखर गया। मां उससे लिपटकर रोने लगीं। अब शोरूम कैसे चलेगा? यह सवाल सामने था।

रंजन का स्कूल जाना मुमकिन नहीं था, इसलिए उसने पढ़ाई छोड़कर दुकान पर जाना शुरू कर दिया। वह मुनीम जी और कारीगर के साथ मिलकर काम करने लगा, पर गणित में कमजोर होने के कारण वह हिसाब-किताब नहीं समझ पाता था। मुनीम बहुत चालाक था। वह रंजन के सभी काम करता और धीरे-धीरे उसे शराब पीने की आदत भी डाल दी। गांव के लोग पापा पर बहुत भरोसा करते थे। वे अपनी फसल बेचकर सारी रकम उनके पास जमा कर जाते, ताकि शादी-ब्याह में गहने और कपड़े आसानी से खरीद सकें। रंजन ने इस बात पर कभी ध्यान नहीं दिया और न ही मुनीम ने उसे समझने दिया। वह आधी-अधूरी बैलेंस शीट देखकर खुश हो जाता, क्योंकि देनदारी वाला पक्ष उसे कभी दिखाया ही नहीं गया था। गणित से पैदाइशी नफरत होने के कारण वह कभी हिसाब देखता ही नहीं था, जो मुनीम बताता, वही सच मान लेता। शोरूम बनाते समय पापा ने बैंक से 50 लाख का लोन लिया था। पापा के जाने के बाद उसकी कोई किस्त जमा नहीं हुई। जब बैंक का कोर्ट नोटिस आया, तो घर में हड़कंप मच गया। दुकान में माल कम था, बाज़ार की देनदारी अलग और ऊपर से बैंक का नोटिस। रंजन पूरी रात मां के साथ चिंता में डूबा रहा। मुनीम और कारीगर भी कई दिनों से दुकान पर नहीं आ रहे थे। उसे पछतावा हुआ, 'काश उसने शुरू से हिसाब देखना शुरू कर दिया होता।' लेकिन देखता कैसे, उसे तो हिसाब का 'जमा घटा' भी नहीं आता था।

वह मन ही मन पछताने लगा, 'काश उसने मास्टर प्रीतम पाल जी की डांट और मार खा ली होती, तो वे उसे इतना योग्य ज़रूर बना देते कि उसे गणित को लेकर जीवन में मार नहीं खानी पड़ती।' अपने गणित अध्यापक के खिलाफ किए गए षड्यंत्र को याद कर उसकी आंखें भर आईं। उसे लगा कि यह उन्हीं का श्राप है, जिसने आज उन्हें इस चौराहे पर लाकर खड़ा कर दिया है। उसका मन हुआ कि वह अपने गुरु प्रीतम पाल के पास जाकर उनके पैरों में गिर जाए और माफ़ी मांगे। पूरी रात वह रोता हुआ पश्चाताप की आग में जलता रहा। उसे अच्छी तरह याद है, जब उसके पापा गांव से शहर में आकर कारोबार बढ़ाने लगे थे। पापा की गांव में बहुत इज्जत थी। वे गहने बनवाने के लिए शहर के अपने भरोसेमंद कारीगर राजू के पास जाते थे। राजू एक बंगाली कारीगर था। दोनों साथ बैठकर बातें करते, खाना खाते और सुख-दुःख बांटते। गांव जाने के झंझट से बचने के लिए रिश्तेदारों ने भी पापा से राजू की दुकान पर मिलना शुरू कर दिया। पापा ने सोने-चांदी के छोटे आइटम वहीं रखने शुरू कर दिए, और उनकी बिक्री भी वहीं होने लगी। एक दिन दोनों ने साझेदारी में काम करने का फैसला किया। पापा का पैसा और इज्जत, और राजू की कारीगरी मिलकर काम चल निकला। धीरे-धीरे वह राजू की दुकान नहीं, बल्कि गुलाब राय सराफ की दुकान बन गई। काम इतना बढ़ गया कि पापा कई-कई दिन गांव में नहीं जा पाते। यह देखते हुए उन्होंने शहर में किराए का मकान ले लिया और रंजन का दाखिला भी शहर के स्कूल में करवा दिया। कुछ समय बाद पापा ने गांव की ज़मीन बेचकर शहर में एक मकान खरीद लिया। पापा के साथ काम करने वाले राजू कारीगर को शराब की लत थी, और वह अपनी कमाई इसी में बर्बाद कर देता था। पापा के समझाने पर भी वह नहीं मानता था। धीरे-धीरे दोनों के बीच छोटी-छोटी बातों पर मतभेद होने लगे। खरीदे हुए मकान को तोड़कर पापा ने उसका नया निर्माण करवाया। पहली मंजिल में शोरूम और दूसरी मंजिल में रहने के लिए घर बनाया गया।

हमारी छोटी सी दुकान अब गुलाब राय एंड संस के शोरूम में बदल गई। राजू कारीगर अपनी पुरानी दुकान पर ही काम करने लगा। उन्हीं दिनों रंजन दसवीं कक्षा में पढ़ता था। वह पढ़ाई में बहुत कमजोर था। बाकी विषयों में तो काम चल जाता, पर गणित की घंटी आते ही उसका सिर दर्द होने लगता। गणित के अध्यापक थे प्रीतम पाल। वे अपने विषय के प्रति समर्पित थे। उनकी कक्षा में कोई छात्र अनुपस्थित नहीं होता था। वे कमजोर छात्रों पर विशेष ध्यान देते थे। वे ज्यादा सज़ा नहीं देते थे, फिर भी हर छात्र उनसे डरता था। इसलिए छात्रों ने उनका नाम मास्टर पीटर पाल रख दिया था। प्रीतम पाल रोज़ होमवर्क चेक करते। जो छात्र एक दिन काम नहीं कर पाता, उसे अगले दिन दो दिन का काम करना पड़ता।

कई बार छात्र दूसरे विषयों की घंटियों में भी उनका होमवर्क करते रहते थे। वे घर पर ट्यूशन नहीं पढ़ाते थे। परीक्षा के पास स्कूल में ही बिना फीस के एक्स्ट्रा क्लास लगाते इसलिए सभी अभिभावक उनका बहुत आदर करते थे। मास्टर पीटर पाल नकल के सख्त दुश्मन थे। जिस कमरे में उनकी ड्यूटी लगती, छात्र माथा पीट लेते। कोई भी छात्र नकल करते पकड़ा जाता, तो वे उसका उत्तर काट देते थे, साथ ही उसे भी सज़ा देते थे जिसने नकल करवाई। वे हर छात्र को जानते थे। किसी कमजोर छात्र के अधिक अंक आते तो वे उसे ब्लैकबोर्ड पर सवाल हल करने को कहते। यदि वह हल नहीं कर पाता, तो स्पष्ट हो जाता कि उसने नकल की है और वे उस उत्तर को काट देते थे। इसलिए घरेलू परीक्षाओं में उनके विषय का परिणाम बहुत कम आता, लेकिन बोर्ड परीक्षा में उनका परिणाम हमेशा सबसे अच्छा रहता था। रंजन रोज़ किसी न किसी बात पर उनकी पकड़ में आ जाता। या तो होमवर्क न करने पर, यदि वह किसी की कॉपी से होमवर्क टीप भी लेता, तो उसे ब्लैकबोर्ड पर सवाल हल करने को कहा जाता। परीक्षाओं में उसके कम अंक आते तो पापा प्यार से समझाते, 'देख बेटा रंजन, तू हमारा इकलौता लड़का है। अगर तू ठीक से पढ़-लिख नहीं पाएगा, तो इस व्यापार को कैसे संभालेगा?' रंजन कहता, 'आप चिंता न करें, समय आने पर मैं सब संभाल लूँगा। अभी तो मेरी खाने-पीने और खेलने की उम्र है।' पापा समझाते, 'समय का भरोसा नहीं, कब अचानक आ जाए और कब हाथ से निकल जाए। बेटे, एक बात अच्छी तरह समझ ले, जो बच्चा विद्यार्थी जीवन में कठोर परिश्रम कर लेता है, उसका भविष्य सुधर जाता है और जो मौज-मस्ती में रहता है, उसका भविष्य अंधकार में डूब जाता है।' ऐसे कठिन समय में माँ बीच में आकर उसका बचाव कर लेतीं, 'बच्चा है अभी। समय आने पर सब समझ जाएगा।' और वह हँसता-कूदता खेलने निकल जाता।

तीनों ने एक-दूसरे के साथ हाथ मिलाकर 'ऑपरेशन पीटर पाल' की योजना बनाई। प्रीतम पाल अपने अनुशासन और सख्ती के लिए जाने जाते थे। एक दिन जॉनी ने जानबूझकर होमवर्क नहीं किया। जब मास्टर पीटर पाल ने उसकी कमर पर हाथ से ज़ोर का थप्पड़ लगाया, तो वह बेहोश होकर बेंचों के बीच गिर गया। यह देखकर प्रीतम पाल भी घबरा गए। आसपास की कक्षाओं के अध्यापक भी वहां आ गए। जब अध्यापक विद्यार्थी को संभालने लगे, तो रंजन और सोनी ने बाहर आकर शोर मचा दिया।

पापा की बातें उन दिनों अच्छी नहीं लगती थीं। काश उसने उन दिनों पापा की बातों को समझ लिया होता। प्रीतम पाल रंजन के पापा को अच्छी तरह जानते थे, इसलिए भी वह उसका विशेष ध्यान रखते थे। वे कहते, 'अरे रंजन, तेरे पापा जी का इतना बड़ा व्यवसाय है। अगर तू गणित नहीं सीख पाया तो अपने कारोबार को कैसे संभालेगा?' अंदर ही अंदर रंजन बुदबुदाता, 'हिसाब तो हमारे मुनीम जी करते हैं। बाकी पैसों का लेन-देन तो मैं कर ही लूँगा', और मास्टर पीटर पाल से पीछा छूटने का इंतजार करता। समान स्वभाव वाले छात्रों में गहरी दोस्ती हो जाती है। रंजन, सोनी, और जॉनी एक ही थैली के चट्टे-बट्टे थे। गणित में तीनों का अंडा गोल था। तीनों रोज़ भगवान से दुआ करते, 'हे भगवान, मास्टर पीटर पाल को ज्वर चढ़ जाए, उनकी टांग टूट जाए या उनका तबादला हो जाए।' लेकिन भगवान ने उनकी प्रार्थना कभी नहीं सुनी।

"यार, कुछ न कुछ तो करना ही पड़ेगा," सोनी ने कहा।"बात तो ठीक है, रंजन। इस काम को तू ही कर सकता है।"

"सोनी, मैं नहीं कर सकता क्योंकि मास्टर जी मेरे पापा को अच्छी तरह जानते हैं।"

"तो जॉनी, तुम करो। बस एक बार बेहोश होकर कक्षा में गिर जाना। फिर सारे स्कूल में हंगामा हम कर देंगे।"

"ठीक है, मैं ही बकरा बनूँगा, पर कोई गड़बड़ हो तो तुम सब संभाल लेना।"

"तू चिंता मत कर," तीनों ने एक-दूसरे के साथ हाथ मिलाकर 'ऑपरेशन पीटर पाल' की योजना बनाई। प्रीतम पाल अपने अनुशासन और सख्ती के लिए जाने जाते थे। एक दिन जॉनी ने जानबूझकर होमवर्क नहीं किया। जब मास्टर पीटर पाल ने उसकी कमर पर हाथ से ज़ोर का थप्पड़ लगाया, तो वह बेहोश होकर बेंचों के बीच गिर गया। यह देखकर प्रीतम पाल भी घबरा गए। आसपास की कक्षाओं के अध्यापक भी वहां आ गए। जब अध्यापक विद्यार्थी को संभालने लगे, तो रंजन और सोनी ने बाहर आकर शोर मचा दिया, 'मास्टर प्रीतम पाल की पिटाई से जॉनी बेहोश हो गया!' स्कूल में अफरा-तफरी मच गई। प्रीतम पाल से ईर्ष्या करने वाले अध्यापक और उनसे सताए गए छात्रों ने मिलकर हंगामा कर दिया। कुछ अभिभावक भी स्कूल में घुस आए। प्रिंसिपल के हाथ से व्यवस्था बाहर हो गई, तो उन्होंने पुलिस को फोन कर दिया। पुलिस ने आकर मामला संभाला। जॉनी को अस्पताल भेजा गया और मास्टर प्रीतम पाल को पुलिस की गाड़ी में बिठाकर उनके घर भेज दिया गया।

शिक्षा विभाग में प्रीतम पाल की बड़ी इज्जत थी, इसलिए उन पर कोई खास कार्रवाई तो नहीं हुई, पर सज़ा के रूप में उनका तबादला कर दिया गया। सबसे ज़्यादा खुशी रंजन और उसके दोस्तों को हुई। उसी दिन से वह भूल गया कि उसे गणित की परीक्षा भी देनी है। आज जब सब कुछ बर्बाद हो गया, तब उसे गणित के महत्व का पता चला। अपनी गलतियों को याद करके वह फूट-फूट कर रोने लगा। माँ ने उसके आँसू पोंछे, तो वह फफक पड़ा, "माँ, हमने अपने गणित के अध्यापक प्रीतम पाल के साथ जो दुर्व्यवहार किया था, यह सब उसी का नतीजा है।"

"बेटे, जो समय हाथ से निकल गया, उस पर पछतावा करने से क्या फायदा? तेरे पापा भी तुझे मेहनत करने को कहते थे, तो मैं तुम्हारा गलत साथ देती थी। इसमें मेरा भी दोष है। खैर, बेटा, अब हम दोनों मिलकर मेहनत करेंगे और सब ठीक कर लेंगे।"अगले दिन माँ ने गुलाब राय के एक पुराने मित्र को बुलाया। उन्होंने दुकान के हिसाब की जाँच की और बताया, "भाभी, मुनीम और कारीगर ने मिलकर सब धोखा किया है। बेटे रंजन, फिलहाल मैं अपनी दुकान से एक कारीगर भेज देता हूँ। आखिर काम तो तुम्हें ही संभालना पड़ेगा। अभी तो मैं भी हर महीने आकर हिसाब चेक कर जाऊँगा।"

मां ने दुकान की इज्जत बचाने के लिए अपने सभी गहने निकाल कर दे दिए। दुकान की साख बच गई। रंजन ने एक पुराने ग्रुप फोटो से काटकर अपने गणित अध्यापक प्रीतम पाल का चित्र अपने पूजा घर में रख लिया और उसी दिन से दुकान का सारा हिसाब खुद करने लगा।

लघुकथा

डॉ. अंजना गर्ग

घर का भोज

घुमंतू आज फिर पुराने परिचय की गली में जा पहुँचा। सुमन की मुस्कुराहट अब भी वही थी, पर आँगन की रंगत और आत्मा जैसे फीकी पड़ गई थी।

'अरे घुमंतू भैया! आओ, देखो जरा आजकल की मेरी सफाई मुहिम कैसी चल रही है!'

सुमन ने जैसे स्वागत नहीं, एक समय के युगांत का मंजर दिखाया हो। बरामदे में ढेर सारी क्रॉकरी, चीनी मिट्टी के प्लेट, बेल्जियम के गिलास, तांबे की थालियाँ, चुपचाप अंतिम विदाई के इंतजार में थीं।

'इतना सब बाहर क्यों रख रखा है?'

घुमंतू ने पूछा तो सुमन की आवाज में एक थकी हुई मुस्कान तैर गई।

'अब किसके लिए रखूं? कौन आता है अब घर? जो भी आता है, होटल में ही ले जाते हैं। पहले लोग कहते थे – 'आपके घर जैसा खाना कहीं नहीं मिला', अब मेहमान के आते ही पूछते हैं – 'किस होटल में चलें?' अब घर का भोज बोझ लगता है।'

घुमंतू चुप रहा। भीतर जाकर देखा, पुराने भारी पतीले, देगचियाँ, पूड़ियों के लिए बड़ी कढ़ाही, यहाँ तक कि अचार डालने वाले मटके भी कोने में सिसक रहे थे।

'इनका क्या कर रही हो?'

'दे रही हूँ कामवालियों को। अब ना कोई कथा होती है, ना कीर्तन, ना तीज, ना त्योहार। न कोई बिरादरी का भोज, न रसोई की रौनक। अब हर उत्सव फार्महाउस में, हर रस्म होटल में।'

घुमंतू की आंखों के सामने एक दृश्य तैर गया- चूल्हे पर चढ़ी खीर, पिछवाड़े में सूखते पापड़, और गेट पर खड़ी अम्मा कहती,

'ठहरो बेटा, पहले कुछ खा लो।' अब कोई नहीं कहता।

कविता

मनोज कुमार वशिष्ठ

बचपन

कितना अबोध होता है बचपन
कोमल सा, निर्मल सा
बेरंग पावन जल सा
अबोध सा, अन्जान सा
बचपन होता है निश्छल सा
कितना अबोध होता है बचपन ?

कितना सुन्दर होता है बचपन
जैसे हो पुष्पों का उपवन
व्योमपुंज हो उठता कम्पित
जब करता है ये क्रन्दन
कितना अबोध होता है बचपन ?

बचपन में होती है कितनी मधुरता
जब सावन में वर्षा का पानी बरसता
मन कागज की नाव पर सवार
कल्पित संसार को करता पार
कितना अबोध होता है बचपन ?

कैसा अद्भुत होता है बचपन
ना कपट, ना उलझन
भ्रष्ट राजनीति के जग में नहीं
प्रकृति के साथ खेलता हुआ
कितना अबोध होता है बचपन ?

उर नर-निर्माता के सिंहासन पर
अगर उसकी जगह रमैश होता
इस जग में बच्चों की भांति
हर जन को अबोध बना देता
कितना अबोध होता है बचपन ?

कविता

राज ख्यालिया

भोलेनाथ शरण में आए

भोलेनाथ शरण में आए,
मन की पीड़ा हरने वाले।
त्रिपुरारी, नीलकंठ,भोले
तुम बिन कौन सहारे वाले॥

जटाजूट से बहती गंगा,
शशि मुकुट पर दीप जले।
त्रिनयन में तेज समाया,
हर अंधियारा क्षण में पले॥
स्मरण करूँ मैं नाम तुम्हारा,
हर साँस बने उजियारा॥

डमरू की वो धुन सुहानी,
बजती अंतरमन में मेरे।
भस्म रमाये तन पे जो,
वो सत्य बसे हैं हृदय में मेरे॥
नंदी की गूंज बुलाती,
भोले अब देर न कीजे॥

काल भी डरे जिनके आगे,
मृत्यु भी जिनसे घबराए।
विष पिया, सृष्टि को बचाया,
करुणा का अमृत लुटाए॥
तेरे चरणों में ही जीवन,
तुझ बिन सब शून्य हो जाये॥

भोलेनाथ शरण में आए,
मन की पीड़ा हरने वाले।
त्रिपुरारी, नीलकंठ भोले
तुम बिन कौन सहारे वाले॥

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

साहित्यकार राजपाल यादव का कहना है कि लेखकों को राष्ट्रवाद को मज़बूत करने, देश की अस्मिता व गौरव को क़ायम रखने के लिए निर्भीकतापूर्वक कलम चलानी होगी। इसके लिए आपसी ईर्ष्या, जातिवाद और भाई भतीजावाद को छोड़कर कंधे से कंधा मिलाकर देशहित में काम करने की आवश्यकता है। वहीं, युवा पीढ़ी को साहित्य के प्रति प्रेरित करके उन्हें अपनी संस्कृति से जुड़े रहने का संदेश देना होगा।

साक्षात्कार

ओ.पी. पाल

साहित्य सृजन से मातृ भाषा की सच्ची सेवा संभव : राजपाल यादव 'राज'

साहित्य के क्षेत्र में लेखन करने वाले साहित्यकार विभिन्न विधाओं में साहित्य संवर्धन करके समाज, संस्कृति और सभ्यता को जीवंत रखने का प्रयास कर रहे हैं। ऐसे ही रचनाकारों में एक हैं हरियाणा के राजपाल यादव, जिन्होंने सरकारी नौकरी के दौरान दूसरे प्रदेशों में रहते हुए भी अपनी काव्य साधना से देशभर में हरियाणा राज्य का नाम गौरवान्वित किया है। उन्होंने साहित्य साधना के दौरान हिंदी भाषा के प्रसार-प्रचार के लिए एक अनूठे हिंदी सेवा रचनाकार के रुप में पहचान बनाई है और सेवानिवृत्ति के बाद भी साहित्य सृजन में जुटे हुए हैं। हरिभूमि संवाददाता से हुई बातचीत में उन्होंने अपने साहित्यक सफर के बारे में कई ऐसे अनछुए पहलुओं को उजागर किया है, जिसमें साहित्य सृजन के माध्यम से मातृभाषा की सच्ची सेवा करना संभव है।

हरियाणा के वरिष्ठ कवि एवं साहित्यकार राजपाल यादव का जन्म 19 फरवरी 1960 को रेवाड़ी जिले के नाहड़ खण्ड क्षेत्र के गांव जुड्डी में एक किसान परिवार में प्रभाती देवी तथा पिता रिसाल सिंह के घर में हुआ। उनके परिवार में कोई साहित्यिक माहौल नहीं था और न ही परिवार में कोई साहित्यिक रुचि वाला सदस्य रहा, लेकिन उनके पिता गांव के सबसे शिक्षित पुरुषों में शामिल थे, जिनके गुण उनमें आना स्वाभाविक था। उनके पिता भारतीय सेना की एजुकेशन कोर में अधिकारी रहे। उनका बचपन गांव में ही बीता और प्रारंभिक शिक्षा गाँव में ही हुई और बाद में वह पिता की पोस्टिंग स्थल नसीराबाद, दिल्ली, झाँसी और जोधपुर भी रहे। इनकी स्कूली शिक्षा नसीराबाद व झाँसी में हुई, फिर उन्होंने उच्च शिक्षा महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक तथा कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय से हासिल की। जबकि स्नातकोत्तर की डिग्री उदयपुर विश्वविद्यालय राजस्थान प्रथम श्रेणी में हासिल की और कॉलेज/ यूनिवर्सिटी में द्वितीय स्थान पर रहे। बकौल राजपाल यादव राज, उनके साहित्यिक सफ़र की शुरुआत कॉलेज के ज़माने में ही हो गई थी, जब उन्होंने दो कहानियाँ 'बड़ी बहू' और 'मंझली बहू' शीर्षक से लिखी, जो कॉलेज की वार्षिक पत्रिका में प्रकाशित हुई। इससे उनका लेखन के प्रति आत्मविश्वास बढ़ना स्वाभाविक था। सरकारी सेवा में आने के बाद उनके साहित्य सफर में नया मोड़ उस समय आया, जबकि कारगिल युद्ध के दौरान उनकी पोस्टिंग धनबाद (झारखंड) में थी। उन्होंने उस समय ओज की रचनाएँ लिखीं, जो स्थानीय समाचार पत्रों में प्रमुखता से छपती थीं। उसके बाद ही वर्ष 2001 में उनका प्रथम काव्य संग्रह 'आँच न आने देंगे' प्रकाशित हुआ। धनबाद में सरकारी महारत्न संस्थान कोल इंडिया लि. की अनुसंगी कंपनी भारत कोकिंग कोल लि. के महाप्रबंधक (कार्मिक एवं राजभाषा) के पद पर रहते हुए उन्होंने सरकारी विभागों व कंपनी की सरकारी पत्रिकाओं के संपादन का दायित्व निभाया तथा हिंदी सप्ताह व पखवाड़े से जुड़े कार्यक्रमों का जीवंत संयोजन किया। वहीं उन्होंने सैकड़ों सरकारी हिंदी कार्यशालाओं में व्याख्यान व प्रशिक्षण दिया है। वह कवि सम्मेलनों का संचालन व अध्यक्षता करते हुए अनेक साहित्यिक संस्थाओं से भी जुड़े हैं। वह गद्य और पद्य की सभी विधाओं में लेखन करते आ रहे हैं यानी गीत ग़ज़ल दोहे मुक्तक माहिया छंद हाइकु हास्य-व्यंग्य लघुकथा आदि विधाओं में साहित्य साधना करते आ रहे हैं। उनका वीर रस की रचनाओं पर अधिक फोकस रहता है। वहीं हरियाणवी भाषा में भी उन्होंने कई गीत, दोहे, मुक्तक आदि विधाओं में रचनाएं लिखी हैं और हरियाणा सरकार की साहित्यिक पत्रिका हरिगंधा में उनके दोहे और हरियाणवी रचनाएं प्रकाशित हुई हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उन्होंने हिंदी सचिवालय मारीशस, आबू धाबी दुबई तथा यूएसए में कई बार काव्य पाठ किया और सम्मान हासिल किया। वरिष्ठ कवि एवं साहित्यकार राजपाल यादव 'राज' का आधुनिक युग में साहित्य के क्षेत्र में आ रही चुनौतियों को लेकर कहना है कि आज साहित्य दोराहे पर खड़ा है, जहाँ एक तरफ़ प्रिंट मीडिया, तो दूसरी ओर इलेक्ट्रॉनिक मीडिया है। वहीं इस इंटरनेट व डिजिटल युग में पत्र-पत्रिकाओं को पढ़ने वाले पाठक कम हो रहे हैं, किंतु साहित्य आज भी सामाजिक जागरूकता पैदा करने कुरीतियां समाप्त करने और निरंकुश होती सत्ता को ललकारने, शोषक का विरोध करने और शोषित को सहारा देने का कार्य कर रहा है।

प्रकाशित पुस्तकें

वरिष्ठ कवि एवं साहित्यकार राजपाल यादव की प्रकाशित पुस्तकों में प्रमुख रुप से काव्य संग्रह-आँच न आने देंगे, आगत का स्वागत, कविताओं में कोल इंडिया और हम, एक और दस्तक, तथा अभी थका नहीं हूँ मैं शामिल हैं। इसके अलावा उनके 32 साझा काव्य संग्रह भी प्रकाशित हुए हैं। काव्य जगत की प्रथम कॉफ़ी टेबल बुक 'शब्दों के सारथी' एवं एक विश्व हाइकु कोश में भी उनकी सहभागिता रही। हरियाणा साहित्य अकादमी की पत्रिका हरिगंधा सहित अनेक पत्र-पत्रिकाओं में समय-समय पर रचनाएँ प्रकाशित हुई हैं।

राजपाल यादव 'राज'

पुरस्कार व सम्मान

राजपाल यादव को हिंदी साहित्य शिखर मानद उपाधि सम्मान, भारतेंदु राजभाषा साहित्य शिरोमणि सम्मान, हिंदी साहित्य भूषण सम्मान, राष्ट्र गौरव साहित्य सम्मान, एकलव्यम साहित्य सम्मान, शान-ए-अदब सम्मान, काव्य श्री सम्मान, हिमालयन रत्न सृजन सम्मान, राष्ट्रीय एकलव्यम गौरव सम्मान, हिमालयन भाषा सारथी सम्मान, वात्सल्य गौरव सम्मान, शब्द सारथी सम्मान, देवप्रभा साहित्य सम्मान, संत तुलसीदास साहित्य सम्मान, संत कबीर सम्मान, शंकर दयाल सिंह प्रतिभा सम्मान एवं साहित्य शिल्पी सम्मान से नवाजा जा चुका है।

व्यक्तिगत परिचय

नाम : राजपाल यादव 'राज'
जन्मतिथि : 19 फरवरी, 1960
जन्म स्थान : गांव जुड्डी, रेवाड़ी (हरियाणा)
शिक्षा: स्नाकतोत्तर, एलएलबी
संप्रति: लेखक, साहित्यकार, वरिष्ठ कवि एवं सेवानिवृत्त महाप्रबंधक (बीसीसीएल, धनबाद)

'छोटी सी दुनिया' का दायरा बहुत बड़ा

पुस्तक : छोटी सी दुनिया
लेखक : ज्ञान प्रकाश विवेक
मूल्य : 425/-रुपये
प्रकाशक : वाणी प्रकाशन, दिल्ली

पुस्तक समीक्षा

नवरत्न

कुछ किताबें महज़ किताबें ही नहीं होती, वो किताब लगती भर हैं, वो कुछ और होती हैं। जिंदगी या फिर जिंदगी से भी बड़ी..। ज्ञान प्रकाश विवेक के कहानी संग्रह 'छोटी सी दुनिया' में यूं तो बारह कहानियां हैं, लेकिन एक-एक कहानी इतने बड़े स्पेस में कही गई है कि कुछ भी कहते नहीं बनता। यूं कहें कि ये कहानियां बारह दुनियाएं हैं... एक-एक दुनिया.. एकदम जुदा... एक-एक दुनिया एकदम अलहदा। एक और खास बात कि कहानियों का वॉल्यूम बहुत ही डाउन है और बात का वॉल्यूम जितना ही कम होता है, बात उतनी ही गहरे तक जाती है। चीखती, दहाड़ती कहानियों पर तो खूब चीखा दहाड़ा जा सकता है लेकिन यहां तो गहरा मौन और सन्नाटा पसरा पड़ा है। ताज्जुब होता है कि भाषा में मौन को भी कहा जा सकता है। लंबे समय तक एकांत और चुप्पी से ही शायद यह कला विकसित होती होगी। असल में भाषा की भी अपनी सीमाएं हैं। जब बारीक कहना होता है तो शब्द हाथ खड़े कर देते हैं। फिर लेखक निजी अनुभव और प्रतीकों का इस्तेमाल करता है। कहानियों में जगह-जगह प्रतीकात्मकता बिखरी पड़ी है और यही प्रतीकात्मकता कहानियों की ताकत है। मानवीकरण की नाव में प्रतीकों के फूल... पाठक की अंतस चेतना को ऊपर ले आते हैं और वाचाल मन दुम दबाकर भाग जाता है। एक गहरे आत्मावलोकन से गुजर कर पाठक गहरे आत्मालोचन से गुजरता है और यही आत्म आलोचन उसकी आत्मा को संतुष्टि प्रदान करता है। 'खत' कहानी का एक वाकया देखें...

'याद'... जैसे जिंदगी के बंद कमरे में दर्द की अगरबत्ती जल रही हो। मैं बंद कमरे में हूं अकेला ..अकेला और चुप। मैं और मेरे साथ निहत्थी खामोशी। मैं और मेरे साथ मेरी उंगली पड़कर खड़ा मेरा साया, जो दिखाई नहीं देता लेकिन वह है जरूर... मैं उठकर खिड़की तक आया हूं। आसमान खाली है मेरी तरह। वक्त की खुदगर्ज चील उड़ कर जा रही है। उसकी चोंच में फड़फड़ाता लम्हा होगा! किसी जिंदा परिंदे जैसा। आसमान का चेहरा और मेरा चेहरा दोनों एक जैसे नजर आते हैं। शायद आसमान भी उदास है मेरी तरह। ऐसा लगता है वह अपनी किसी कहकशां को ढूंढ रहा है जैसे कि मैं। सुधि पाठकों से विनम्र निवेदन की कहानी पढ़ने में यदि मजा आता है तो ये कहानियां जरूर पढ़ें वरना चूक जाएंगे ....और ज्ञान प्रकाश विवेक के लिए तो दुआ ही कर सकते हैं कि ईश्वर उन्हें स्वस्थ रखें। वाणी प्रकाशन को ढेरों शुभकामनाएं एक बेहतरीन प्रकाशन के लिए ...।

खबर संक्षेप

गन्नौर। पट्टी ब्राह्मणान व्यायामशाला में बच्चों को योग करवाते योग सहायक वीरेंद्र सिंह।

व्यायामशाला में खेलकूद प्रतियोगिता आयोजित

गन्नौर। पट्टी ब्राह्मणान स्थित व्यायामशाला में रविवार को आयुष विभाग के दिशा निर्देशों के तहत खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन योग सहायक वीरेंद्र सिंह और पूजा द्वारा किया गया। खेल प्रतियोगिताओं से पहले बच्चों ने योगाभ्यास किया। इसके बाद प्रतियोगिता में दर्जनों बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। परिणाम घोषित होने पर लव्य ने पहला स्थान, देव ने दूसरा स्थान तथा जतिन ने तीसरा स्थान हासिल कर व्यायामशाला का नाम रोशन किया। विजेताओं को कार्यक्रम के समापन पर पुरस्कृत भी किया गया।

वेद शास्त्रों के पूर्ण ज्ञाता थे महर्षि दधीचिः प्रेमलाल

गोहाना। शनिवार को पानीपत रोड गोहाना स्थित राष्ट्रीय वैदिक परमार्थ ट्रस्ट द्वारा संचालित लावारिस पीड़ित गो माता गोशाला में महर्षि दधीचि की जयंती मनाई गई। समारोह में ट्रस्ट के सदस्यों ने महर्षि दधीचि के चित्र पर पुष्प अर्पित करके नमन किया। मुख्य वक्ता ट्रस्ट के महासचिव प्रेमलाल आर्य ने कहा महर्षि दधीचि प्राचीन काल के परम तपस्वी व वेद शास्त्रों के पूर्ण ज्ञाता थे। महर्षि दधीचि का जीवन दूसरों की भलाई में समर्पित रहा। उन्हें अपनी उदारता, दयालुता और निरहंकारी स्वभाव के लिए जाना जाता है। जयंती समारोह की अध्यक्षता आजाद हिंद देशभक्त मोर्चा के मुख्य संरक्षक आजाद सिंह दांगी ने की। इस मौके पर रोहतास अहलावत, दीपक शर्मा, डॉ. मनोज, संदीप मलिक, जोगिंदर मलिक, बलजीत जांगड़ा, राजू सैनी व वीरेंद्र अन्य मौजूद रहे।

कॉलेज में कर्मचारियों की खेल गतिविधियां

सोनीपत। टीकाराम कन्या महाविद्यालय में तीन दिवसीय नेशनल स्पोर्ट्स डे मनाया गया। महाविद्यालय के प्रांगण में गैर शिक्षक वर्ग के कर्मचारियों की खेल गतिविधियां करवाई गई। कॉलेज प्राचार्या कंचन सीधर ने सभी को बधाई दी। शारीरिक शिक्षा विभाग की अध्यापिका डॉ. सुमन मान ने बताया कि नेशनल स्पोर्ट्स डे को 29-31 अगस्त को कॉलेज प्रांगण में सफलतापूर्वक मनाया गया और विजेताओं को मेजर ध्यानचंद की ट्रॉफी से नवाजा गया। टीकाराम एजुकेशन सोसइटी के प्रधान सुरेंद्र सिंह दहिया ने सभी को बधाई दी।

कुरीतियों को दूर करने में खाप पंचायतें अहम

खरखौदा। उपमंडल के गांव गोरड़ में रविवार को तोमर खाप की भाईचारा महा पंचायत का आयोजन किया गया। मेजबान गांव गोरड़ के सरपंच पवन तोमर के अनुसार इस दौरान खाप पंचायतों के महत्व और समाज से पंचायतों के द्वारा कुरितियों को दूर करने पर विचार विमर्श किया गया। पंचायत में पूर्व सरपंच एवं पंचायत समिति सदस्य वेदप्रकाश, पूर्व सरपंच गुलाब सिंह तोमर, कसरेंटी से पूर्व सरपंच राजेंद्र सिंह, गुहला चीका से सिड़ा खाप के प्रधान सुखबीर सिंह, गुढ़ान से दिलबाग सिंह, पृथला गाँव से अजय तंवर, दिल्ली महमूदपुर से सोनू तोमर आदि उपस्थित रहे।

शिविर में 81 लोगों ने किया रक्तदान

गोहाना। आरके हिंदू स्कूल के संस्थापक स्व. रामकिशन सरोहा की पुण्य तिथि पर रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। शिविर में 81 नागरिकों ने रक्तदान का पुण्य बटोरा। शिविर में स्व. रामकिशन सरोहा के परिवार से उनके पुत्र एवं स्कूल के एमडी जगबीर सिंह सरोहा, दूसरे पुत्र एवं स्कूल के प्राचार्य तेजेंद्र सिंह सरोहा, पुत्रवधू अमिता, तीन पौत्र आदित्य सरोहा, प्रदीप सरोहा और अनिल सरोहा ने रक्तदान किया।

गोहाना को ग्रीन सिटी बनाने के अभियान के तहत संगठन ने रोपे 52 पौधे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

समाज कल्याण संगठन ने रविवार को पीपल, नीम, अर्जुन, ब्रश बोतल और सरस के 52 पौधे रोपकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। संगठन ने पौधारोपण गोहाना को ग्रीन सिटी बनाने के अभियान के तहत किया। संगठन की टीम ने गोहाना-पानीपत मार्ग के डिवाइडर पर पौधे रोपे और उनकी सुरक्षा के लिए ट्री गार्ड लगाए। नए पौधे रोपने के साथ टीम ने संगठन द्वारा रोपे गए पुराने पौधों की निराई-गुड़ाई भी की। पौधारोपण की अध्यक्षता संगठन के अध्यक्ष आनंद जांगड़ा ने की। पौधारोपण में सुनील कुमार, मनोज प्रजापति, मुकेश कुमार, राजेश कुमार, बलजीत जांगड़ा, प्रवीन कश्यप, जगदीश अस्सीवाल, डॉ. बिजेंद्र और अभिमन्यु शर्मा ने अपनी सेवाएं दी।

■ संगठन ने पौधारोपण से दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

खरखौदा। पौधे की सुरक्षा के लिए ट्री गार्ड लगाते संगठन सदस्य

खरखौदा: पंचायत भूमि पर चलाया साफ-सफाई अभियान और किया पौधारोपण

खरखौदा। भगत सिंह ग्रुप अध्यक्ष रविन्द्र के नेतृत्त्व में भारतीय पर्यावरण मित्र संगठन द्वारा पहलादपुर किढौली गांव में रविवार को साफ-सफाई अभियान चलाया गया और पौधारोपण किया गया। इस अभियान में संगठन के पदाधिकारियों, स्थानीय ग्रामीणों एवं युवाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। अभियान का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण और ग्रामीण स्तर पर स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। कार्यक्रम के दौरान 30 पौधे लगाए गए। जिनमें नीम, पीपल, जामुन, बरगद और पिलखन आदि छायादार पौधे लगाए गए। सभी पौधों की सुरक्षा के लिए ट्री गार्ड लगाए गए। संगठन के पदाधिकारियों ने ग्रामीणों से अपील की कि लगाए गए पौधों की देखभाल करना ही सच्ची पर्यावरण सेवा है। उन्होंने कहा कि वृक्ष हमारे जीवन का आधार हैं और इनके बिना स्वस्थ पर्यावरण की कल्पना भी संभव नहीं है। पौधारोपण के साथ-साथ पंचायत भूमि पर साफ-सफाई अभियान भी चलाया गया। क्षेत्र में फैली गंदगी व कचरे को हटाकर ग्रामीणों को स्वच्छता का संदेश दिया गया। उपस्थित लोगों ने शपथ ली कि वे गांव को हरा-भरा और स्वच्छ बनाए रखने में निरंतर योगदान देते रहेंगे। इस अवसर पर मोहित, मोंटू, सुमित, टीकाराम, गौरव, नितेश, प्रवीन, राजेश, दिनेश, जसवंत खत्री, अरुण दहिया, प्रदीप गहलावत, भोलू, धिक्कार, भोली, शिवा द्वारा सहयोग किया गया।

कांग्रेसी सत्र छोड़कर भागे: शर्मा

कांग्रेस बनाना चाहती थी मुद्दा मुख्यमंत्री ने दिया सटीक जवाब

गोहाना। जन समस्याएं सुनते मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि कानून व्यवस्था को लेकर हरियाणा विधानसभा में कांग्रेस ऐसे तथ्य सामने लेकर आई जिनका कोई आधार नहीं था। विधानसभा सत्र में कांग्रेस ने कानून व्यवस्था को लेकर सरकार पर जमकर आरोप प्रत्यारोप लगाए और जनता के सामने इसे एक मुद्दा बनाने की नाकाम कोशिश की। लेकिन मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने जब जवाब देना शुरू किया तो कांग्रेसी सत्र छोड़कर भाग गए। डॉ. अरविंद शर्मा ने गोहाना में सिंचाई विश्राम गृह में आमजन की समस्याएं सुनने के उपरांत पत्रकारों से संवाद किया।

उन्होंने कहा कि विधानसभा में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कानून व्यवस्था को मुद्दा नहीं बनने दिया और कांग्रेस पार्टी के हर सवाल का सटीक जवाब विधानसभा में दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी आरोप लगाने से पहले अपने गिरेबान में झांक ले।

■ विस सत्र के दौरान कानून व्यवस्था को लेकर कांग्रेस ने पेश किए आधारहीन तथ्य

कैबिनेट मंत्री ने कहा कि चुनाव आयोग पर कांग्रेस पार्टी आरोप-प्रत्यारोप लगा रही है। इसी चुनाव आयोग द्वारा करवाए गए चुनाव में कांग्रेस पार्टी ने दो बार सरकार बनाई है। अब उनके लिए चुनाव आयोग गलत हो गया। डॉ. अरविंद शर्मा ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा पर भी कटाक्ष करते हुए कहा कि मुझे विधानसभा में इतने दिन हो गए लेकिन आज तक भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने अपने विधानसभा गढ़ी सांपला किलोई के लिए कोई भी बात नहीं उठाई है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री की मां पर की अभद्र टिप्पणी

राहुल गांधी से सार्वजनिक रूप से माफी मांगे: विधायक

■ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी केवल एक राजनीतिक दल के नेता नहीं बल्कि पूरे राष्ट्र की गरिमा, गौरव और आत्मसम्मान के प्रतीक : विधायक

सोनीपत। पत्रकारवार्ता में विधायक कृष्णा गहलावत का स्वागत करते हुए। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि ▶▶|सोनीपत

भारतीय जनता पार्टी की जिला महिला मोर्चा की ओर से आज एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई, जिसमें बिहार के दरभंगा में कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा प्रधानमंत्री मोदी एवं उनकी माता के प्रति बोले गए अभद्र और आपत्तिजनक शब्दों की कड़ी निंदा की गई। राई से विधायक कृष्णा गहलावत ने संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी केवल एक राजनीतिक दल के नेता नहीं बल्कि पूरे राष्ट्र की गरिमा, गौरव और आत्मसम्मान के प्रतीक हैं। उनके लिए अपशब्द कहना सीधे तौर पर भारत की जनता का अपमान है। माता केवल एक व्यक्ति की नहीं बल्कि पूरे समाज के लिए पूजनीय और सम्माननीय होती है। किसी भी माता के लिए अनुचित भाषा का प्रयोग करना, व्यक्ति की संकीर्ण और असंवेदनशील सोच को उजागर करता है। उन्होंने आगे कहा कि आज मोदी जी के नेतृत्व में भारत ने विश्व स्तर पर अपनी अलग पहचान बनाई है। देश की गरिमा और सम्मान लगातार बढ़ रहा है। ऐसे समय में इस प्रकार की ओछी और अभद्र राजनीति करना बेहद शर्मनाक है।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर जिला महिला मोर्चा की अध्यक्ष सोनिया मोर, सारिका कालरा, आरती शर्मा, जिला महामंत्री नीरज कुमार, जिला मीडिया प्रभारी एडवोकेट दिनेश अत्री के साथ-साथ प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य सुनीता लोहचब, बबीता दहिया, प्रेमा तिवारी, शीला लाकड़ा, धर्मकौर, प्रेम लता बंसल, जिला महामंत्री तरुण देवीदास एवं अन्य गणमान्य कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभी कार्यकर्ताओं ने एक स्वर में राहुल गांधी से सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग की और स्पष्ट किया कि भाजपा कार्यकर्ता प्रधानमंत्री एवं मातृशक्ति के सम्मान में किसी भी प्रकार की अभद्र टिप्पणी को बर्दाश्त नहीं करेंगे।

भाजपा महिला कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी का पुतला फूंका

गोहाना। राहुल गांधी का पुतला फूंकते हुए भाजपा महिला कार्यकर्ता।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

रविवार को भाजपा महिला नेताओं और कार्यकर्ताओं ने गोहाना के अंबेडकर चौक में एकत्रित होकर विपक्ष नेता राहुल गांधी का पुतला फूंका। इससे पहले महिला कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी के खिलाफ प्रदर्शन किया।भाजपा गोहाना महिला मोर्चा की महिला कार्यकर्ताओं में राहुल गांधी के खिलाफ जमकर गुस्सा उबला। कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी के खिलाफ प्रदर्शन करके उनका पुतला फूंका। प्रदर्शन का नेतृत्व पूर्व मंत्री कविता जैन ने किया। पूर्व मंत्री ने कहा कि बिहार रैली में राहुल गांधी सोने की चम्मच लेकर पैदा हुआ है। इसीलिए वह गरीब की मां का सम्मान नहीं करता है। इसका बिहार की जनता इंडिया गठबंधन को करारा जवाब देगी। कविता जैन ने कहा कि राहुल गांधी अपनी इस अभद्र टिप्पणी को लेकर माफी मांगे। जिला अध्यक्ष बिजेंद्र मलिक ने कहा कि प्रदेश की नायब सरकार ने महिलाओं के लिए लाडो लक्ष्मी की योजना को लागू करके महिलाओं का सम्मान किया है।

ये रहीं मौजूद

प्रदर्शन में जला महामंत्री महेंद्र चिड़ाना, जितेन्द्र शर्मा, परमवीर सैनी, राममेहर राठी, प्रवीण कश्यप, विजय पुलस्त्य, जगबीर जैन और रीना शर्मा सहित काफी संख्या में महिला कार्यकर्ता शामिल रहीं।

भूप सिंह की याद में फरमाना में किया गहलावत खाप काज

खरखौदा। रक्तदान करते रक्तदाता, हौसला बढ़ाते आयोजक।

खरखौदा। चौधरी भूप सिंह गहलावत की याद में दादा शोभनाथ मंदिर परिसर में गहलावत खाप काज अर्थात प्रीतिभोज का आयोजन किया गया। मेजबान भारतवीर की धर्मपत्नी राजबाला गहलावत ने खाप के गणमान्य व्यक्तियों के साथ साथ विभिन्न राजनीतिक हस्तियों को भी आमंत्रित किया था। राजनेताओं ने भी उन्हें निराश नहीं किया। राई विधायक कृष्णा गहलावत ने कार्यक्रम में पहुंच कर आयोजकों का मान बढ़ाया। रानियां विधायक अर्जुन चौटाला तो न केवल फरमाना पहुंचे, बल्कि इनेलो के लोकसभा प्रत्याशी रहे पूर्व एसपी अनूप दहिया के आवास पर सिसाना तथा युवा इनेलो के प्रदेश महासचिव अरूण खोखर के खरखौदा स्थित पेट्रोल पंप पर पहुंच कर जलपान ग्रहण किया। ऑल इंडिया गहलावत खाप के प्रधान दयानंद गहलावत ने आयोजन में विशेष रूप से उपस्थिति दर्ज कराई। गहलावत खाप के गठगामा के प्रधान सतबीर नंबरदार, सरपंच जगदीश, सतीश, पूर्व सरपंच वीरेंद्र, मंदिर प्रबंधन समिति प्रमुख आशीष ने कार्यक्रम में पहुंचने वालों की सम्मानजनक आवभगत की। पंचायत समिति सदस्य राजे सेवक ने भंडारा क्षेत्र में अपनी सेवाएं दीं। जाने-माने लोक गायक सत्ते फरमाना, अमित रोहणा आदि ने अपनी गायकी से लोगों का मन मोह लिया। इस दौरान लगाए गए शिविर में डेढ़ सौ ने रक्तदान किया।

जिला कांग्रेस भवन में शहरी और ग्रामीण स्तर पर पदाधिकारियों की नियुक्ति को लेकर बैठक

हरिभूमि ▶▶|सोनीपत

जिला कांग्रेस भवन सोनीपत में शहरी व ग्रामीण जिला अध्यक्षों की नियुक्ति के बाद शहरी व ग्रामीण स्तर पर ब्लॉक अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव सहित विभिन्न पदों पर पदाधिकारियों व कार्यकारिणी की नियुक्ति को लेकर चर्चा हुई। बैठक की अध्यक्षता जिला कांग्रेस अध्यक्ष कमल दीवान (शहरी) व जिलाध्यक्ष कांग्रेस संजीव दहिया (ग्रामीण) ने की। बैठक में विधायक व पूर्व विधायकों ने भाग लेकर अपने विचार व्यक्त किये।

विधायक इंदुराज नरवाल ने कहा कि ग्रामीण व शहरी कार्यकारिणी की नियुक्ति बेहद पारदर्शिता के साथ की जाएगी। पूर्व विधायक जगबीर सिंह मलिक ने कहा कि कार्यकारिणी की नियुक्ति में उन सभी मेहनती कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी सौंपी जाएगी, जिन्होंने पार्टी के प्रति समर्पण भाव से कार्य किया है। पूर्व विधायक सुरेंद्र पंवार ने कहा कि ग्रामीण व शहरी स्तर पर नियुक्ति को लेकर कार्यकर्ताओं में काफी उत्साह है, प्रत्येक उस कार्यकर्ता को कार्यकारिणी में जगह दी जाएगी, जो पार्टी के प्रति बेहद ईमानदारी के साथ कार्य करेगा। पूर्व विधायक जयवीर सिंह वाल्मीकि व पदम सिंह दहिया ने भी निष्ठावान कार्यकर्ताओं को कार्यकारिणी में जगह देने का आग्रह किया। जिला अध्यक्ष कमल दीवान व संजीव दहिया ने सभी से चर्चा करने के बाद अगले सप्ताह एक बैठक रख शहरी व ग्रामीण स्तर पर विभिन्न पदों के लिए नाम शॉर्ट लिस्ट करने की बात कही।

सोनीपत। बैठक में मौजूद विधायक, पूर्व विधायक, जिलाध्यक्ष एवं अन्य।

यह रहे मौजूद

इस दौरान विधायक इंदुराज नरवाल, पूर्व विधायक जगबीर सिंह मलिक, पूर्व विधायक जयवीर वाल्मीकि, पूर्व विधायक सुरेंद्र पंवार, पूर्व विधायक पदम सिंह दहिया, सुरेंद्र शर्मा, अशोक छाबड़ा, प्रदीप गौतम, सतपाल चौहान, जयवीर अंतिल, सुरेंद्र दहिया, जय भगवान दीपालपुर, राजेश पुरखास, रवि इंदोरा, एडवोकेट भगत सिंह, जोगिंदर दहिया, अनंत दहिया सहित मौजूद रहे।

खरखौदा। अक्षित दहिया का स्वागत करते हुए सरपंच विनोद कुमार।

युवा भाजपा नेता अक्षित दहिया के सम्मान में अभिनंदन समारोह

खरखौदा। साऊथ अफ्रीका में हुए वाई 20 शिखर सम्मेलन में भारतीय प्रतिनिधि मंडल नेतृत्व कर स्वदेश लौटे युवा भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष अक्षित दहिया का गांव गोपालपुर में अभिनंदन किया गया। अक्षित दहिया ने युवा शिखर सम्मेलन के अनुभव युवाओं के साथ साझा किये। युवाओं को राजनीतिक रूप से जागरूक करते हुए अक्षित दहिया ने कहा कि वे भारतीय जनता पार्टी से जुड़ कर आगे बढ़े और हरियाणा की राजनीति को नई दशा व दिशा दें। अभिनंदन समारोह में दहिया अठगामा के प्रधान एवं गोपालपुर के सरपंच विनोद दहिया, खरखौदा भाजपा मंडल के अध्यक्ष नरेश पाराशर, मुकेश सैनी, शक्ति ठेकेदार, नफिस दहिया, पियुष, रवि दहिया, जय कुमार राणा, श्रीओम, मनवीर सिसाना, दिनेश सहित अनेक युवा उपस्थित रहे।

सरस्वती शिक्षा संस्थान सीनियर सेकेंडरी स्कूल (S-7) में कार्यक्रम

विद्यार्थियों ने प्रस्तुत किए जन्माष्टमी गीत, पिरामिड बनाकर फोड़ी मटकी

हरिभूमि न्यूज ▶▶|सोनीपत

सोनीपत। एस 7 स्कूल में प्रस्तुति देते विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

सरस्वती शिक्षा संस्थान सीनियर सेकेंडरी स्कूल (S-7) में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के उपलक्ष्य में भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मंच संचालन मंजू कादयान ने किया। तिलक समारोह के बाद दीप प्रज्वलन और पुष्पमालाएं प्रबंधक सुखप्रिय शास्त्री ने अर्पित कीं। इसके साथ ही कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ।

कार्यक्रम में चौथी कक्षा के विद्यार्थियों ने जन्माष्टमी गीत प्रस्तुत किया, जबकि तीसरी और चौथी कक्षा के छात्रों ने श्रीकृष्ण पर आधारित नृत्य और समूह गीत प्रस्तुत कर दर्शकों का मन मोह लिया। मटकी फोड़ कार्यक्रम में बच्चों ने पिरामिड बनाकर परंपरा का जीवंत चित्रण किया। लघुनाटिका के माध्यम से कंस वध और श्रीकृष्ण जीवन से जुड़े विभिन्न प्रसंगों का मंचन हुआ, जिस पर हॉल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा।

प्रधानाचार्य डॉ. अंकुर रोहिला ने छात्रों को श्रीकृष्ण की लीलाओं और शिक्षाओं से अवगत कराते हुए धर्म, निस्वार्थ भाव और बुराई पर विजय प्राप्त करने की प्रेरणा दी। प्रबंधक सुखप्रिय शास्त्री, निर्देशक दीपक और प्राचार्य डॉ. अंकुर रोहिला ने क्रमशः कृष्णलीला, रासलीला, अक्रूर प्रसंग और भक्त-भगवान मिलन जैसे प्रसंगों पर अपने विचार रखे। विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों ने सभी का दिल जीत लिया।

जाट सेवक संघ की सोनीपत बैठक में किया संगठन विस्तार

सोनीपत। जाट सेवक संघ की केंद्रीय कार्यकारी समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक आज सोनीपत में सम्पन्न हुई। बैठक का मुख्य उद्देश्य संगठन का विस्तार करना एवं उसकी संरचना को और अधिक मजबूत बनाना रहा। बैठक में सर्वसम्मति से हरिओम दहिया (पूर्व सरपंच) को जिला प्रधान, सोनीपत नियुक्त किया गया। इस अवसर पर केंद्रीय कार्यकारिणी से राजेश बड़ाला (प्रधान), बलजीत पूनिया (वरिष्ठ उपप्रधान), रामपाल लुहाच (एक्स सर्विसमैन), देवेंद्र मान (संगठन सचिव) एवं रणबीर बुरा (कार्यकारिणी सदस्य) ने सक्रिय रूप से भाग लिया। जाट सेवक संघ के प्रधान राजेश बड़ाला ने कहा कि जाट सेवक संघ केवल एक संगठन नहीं, बल्कि समाज सेवा का एक संकल्प है। इस अवसर पर संजय खापरा, अमन मलिक, अनिल दहिया, श्रृषि कटारिया, सुरेश सांगवान, जितेन्द्र कोहाड़, दीपक कटारिया, प्रवीण राठी, मोहित, जयप्रकाश दहिया (सरपंच गढ़ी वाला), सुभाष दहिया (महाराज), नवीन सेहरावत, सुधांशु (ठेकेदार), अमित राठी, दीपक, ईशान बोरिया, सुमित देशवाल, अमित दहिया, सुमित, तरुण कोलावत, चिराग मलिक, अशोक सूरा, विशाल ढाका, अमित ढाका, विनय बड़क, विजय लाम्बा, उमेद राणा, कालू खांडा व अभिषेक कटारिया आदि विशेष रूप से बैठक में मौजूद रहे।

कार्यकर्ता होते पार्टी की रीढ़: बलवान

खरखौदा। इनेलो कार्यकर्ताओं की एक बैठक हलका अध्यक्ष बलवान नंबरदार की अध्यक्षता में खरखौदा में आयोजित की गई। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए बलवान नंबरदार ने कहा कि 25 सितंबर को रोहतक में जननायक चौधरी देवीलाल की जयंती सम्मान दिवस के रूप में मनाई जा रही है। जिसके लिए इनेलो प्रदेश प्रभारी सुनैना चौटाला दो बार खरखौदा हल्के गांवों का दौरा करके लोगों को निमंत्रण दे चुकी है। अब वह तीसरी बार हल्के के बाकी बचे 10 गांवों का 7 सितंबर को दौरा करके ग्रामीणों को न्योता देने का काम करेंगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के शासनकाल में खरखौदा क्षेत्र का विकास ना के बराबर हुआ था। अब जब 11 वर्षों से भाजपा की सरकार बनी है। खरखौदा क्षेत्र का विकास नहीं हो पाया है। उन्होंने कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि किसी भी कार्यक्रम के लिए उन्हें जी तोड़ मेहनत करनी चाहिए, क्योंकि किसी भी पार्टी का कार्यकर्ता पार्टी की रीढ़ होता है। मौके पर जिला अध्यक्ष कुणाल गहलावत, महिला एस सी सेल हलका अध्यक्ष प्रेम देवी, अशोक राणा, रविंद्र मंडोरा, एडवोकेट अरुण खोखर, जोरावर बरोना, शहरी अध्यक्ष प्रवीन, रामनिवास, धर्मवीर फोगाट व अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

शिविर में 30 युवाओं ने किया स्वेच्छा से रक्तदान

गन्नौर। गांव भोरा रसूलपुर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन गांव के सरपंच प्रतिनिधि सोहनलाल ने किया। उन्होंने ग्रामीणों को रक्तदान के महत्व के बारे में जागरूक करते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को वर्ष में कम से कम चार बार रक्तदान करना चाहिए। शिविर के दौरान फाउंडेशन के अध्यक्ष नरेंद्र हुड्डा ने बताया कि रक्तदान शिविर में कुल 30 रक्तदाताओं ने उत्साहपूर्वक रक्तदान किया।

घर पर गणपति का इको फ्रेंडली विसर्जन किया

सोनीपत। राधा अष्टमी के पावन अवसर पर नरेंद्र नगर में आचार्य मनमोहन मिश्रा के निवास स्थान पर पांच दिनी गणपति उत्सव का समापन हुआ। इस अवसर पर श्रद्धालुओं और महिला कीर्तन मंडली के सदस्यों ने धूमधाम से गणपति बप्पा का विसर्जन किया। विसर्जन से पूर्व प्रथम पूज्य गणेश की प्रतिमा को डोल-नगाड़ों की धुन पर नगर भ्रमण के लिए निकाला गया।

विधायक ने रामनिवास को किया सम्मानित

सोनीपत। राई विधायक कृष्णा गहलावत ने सामाजिक क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने पर बहालगढ़ निवासी रामनिवास को सम्मानित किया। जिसमें नशा मुक्त भारत अभियान, स्वच्छता अभियान, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान, वृक्षारोपण, स्वास्थ्य जांच, रक्तदान शिविर आयोजन, मेक इन इंडिया, आयुष्मान भारत जैसे अनेकों सामाजिक कार्यों में भागीदारी को देखकर सम्मानित किया।

संस्था ने जरूरतमंद कन्या का करवाया विवाह

सोनीपत। सेफ इंडिया फाउंडेशन ने अपने जरूरतमंद कन्या विवाह प्रकल्प के तहत रविवार को अग्रवाल धर्मशाला में 158वीं जरूरतमंद कन्या का विवाह करवाया। संस्था के चेयरमैन वाईके त्यागी और प्रधान संजय सिंगला ने बताया कि यह प्रकल्प दानदाताओं के सहयोग से संचालित है, जिसमें कन्या को शादी का पूरा सामान उपलब्ध कराया जाता है और परिवारों की पहचान गुप्त रखी जाती है। आज की शादी की संयोजक शालू त्यागी रहीं, जिन्होंने बताया कि कन्या को घरेलू जरूरत का पूरा सामान दिया गया। विवाह आयोजन में कई समाजसेवियों और संस्थाओं ने सहयोग किया, जबकि महाराजा अग्रसेन समाज कल्याण समिति ने भवन निशुल्क उपलब्ध कराया।

गांव मोई हुड्डा में ग्रामीणों से किया सीधा संवाद

रात्रि ठहराव : जिला प्रशासन ने सुनीं नागरिकों की समस्याएं

विभिन्न विभागों ने शिविर लगाते हुए सरकारी योजनाओं के बारे में ग्रामीणों को अवगत करवाया कि किस प्रकार से इन योजनाओं का लाभ प्राप्त किया जा सकता है

कार्यक्रम का उद्देश्य शासन को ग्रामीण लोगों के करीब लाना है : डीसी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

अंत्योदय उत्थान लक्ष्य के साथ हरियाणा सरकार द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ तय समय में मिलें व उनकी शिकायतों का प्राथमिकता के साथ निवारण किया जा सके, इसी उद्देश्य से शनिवार को गांव मोई हुड्डा में जिला प्रशासन द्वारा रात्रि ठहराव कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला उपायुक्त सुशील सारवान ने की। उपायुक्त ने लोगों से सीधा संवाद कर समस्याओं का मौके पर ही निदान किया। कार्ग्रम में होनदार विद्यार्थी भी सम्मानित हुए। उपायुक्त सुशील सारवान ने ग्रामीणों से रूबरू होते हुए कहा कि हरियाणा सरकार के सुशासन के उद्धेश्य में रात्रि ठहराव कार्यक्रम महत्वपूर्ण कड़ी है। अंत्योदय उत्थान के ध्येय में यह एक परिवर्तनकारी प्रयास है जिसका उद्देश्य प्रभावी शासन को ग्रामीण लोगों के करीब लाना है। कार्यक्रम में भाजपा के वरिष्ठ नेता प्रदीप सांगवान ने मुख्यमंत्री नायब सैनी द्वारा शुरू की गई रात्रि ठहराव कार्यक्रम की पहल का स्वागत करते हुए कहा कि सरकार ने अंत्योदय की सोच पर आगे बढते हुए जो यह कार्यक्रम चलाया है। विभिन्न विभागों ने शिविर लगाते हुए सरकारी योजनाओं के बारे में ग्रामीणों को अवगत करवाया कि किस प्रकार से इन योजनाओं का लाभ प्राप्त किया जा सकता है।

गोहाना। रात्रि ठहराव कार्यक्रम में ग्रामीणों की समस्याएं सुनते और नशा न करने की शपथ दिलाते हुए जिला उपायुक्त।

ग्रामीणों ने अपनी ये समस्याएं रखीं

रात्रि ठहराव के दौरान सहायक रोजगार कार्यालय से संबंधित 50, समाज कल्याण विभाग से संबंधित 100, जिला कल्याण से संबंधित 50, आयुर्वेदिक चिकित्सा शिविर पर 520 ओपीडी दर्ज हुई। इसके अलावा परिवार पहचान पत्र व आधार कार्ड से संबंधित 162 से अधिक, राशन कार्ड व गैस कनेक्शन से संबंधित 24, बिजली विभाग से संबंधित 08, जनस्वास्थ्य विभाग से संबंधित 20, एसडीएम कार्यालय से संबंधित 45 लाईसेंस आवेदन प्राप्त हुए शिकायतें प्राप्त हुई। इसके अलावा कृषि विभाग, पंचायत विभाग, पशुपालन विभाग, परिवहन विभाग व अन्य विभागों के अधिकारियों ने ग्रामीणों को अपने विभाग से संबंधित है सभी योजनाओं के बारे में अवगत करवाया और बताया कि वह किस प्रकार है इन योजनाओं का लाभ उठा सकते हैं।

जल्द निदान के निर्देश

उपायुक्त सुशील सारवान ने कार्यक्रम में स्वयं स्टेज से उठकर दिव्यांग शिकायतकर्ता को कुर्सी दी और उनके पास जाकर उनकी समस्याएं सुनी। गांव मोई हुड्डा के राजबीर व गांव रिवाड़ा के वजीर की शिकायत थी कि उनकी दिव्यांग पेंशन बनाई जाए। उपायुक्त ने स्वास्थ्य विभाग व अन्य संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि वे तुरंत इनकी पेंशन बनाने की प्रक्रिया को शुरू करें।

ये रहे मौजूद

रात्रि ठहराव के दौरान एसडीएम अंजलि श्रोत्रिय, डीसीपी भारती डबास, एसीपी राहुल देव, डीडीपीओ ललिता वर्मा, पीडब्ल्यूडी के कार्यकारी अभियंता प्रशांत कौशिक, बीईओ राजेन्द्र सांगवान, स्कूल प्राचार्य श्रीदत्त, एडीएफओ सुरेश कुमार, ब्लॉक समिति चेयरमैन प्रदीप, गांव के सरपंच पवन शर्मा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

बैठक में 15 सदस्यीय कार्यकारिणी का किया ऐलान

त्यागी समाज हरियाणा व त्यागी समाज ट्रस्ट के प्रदेश अध्यक्ष बने पुनीत त्यागी

गन्नौर। त्यागी समाज हरियाणा व त्यागी समाज ट्रस्ट के हरियाणा के प्रदेश अध्यक्ष पुनीत त्यागी व सदस्यों का स्वागत करते हुए।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

त्यागी समाज हरियाणा ट्रस्ट की बैठक गांव बड़ी, जिला सोनीपत में आयोजित की गई। बैठक में त्यागी समाज हरियाणा व त्यागी समाज ट्रस्ट के हरियाणा के प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी राई गांव निवासी नगर निगम पार्षद एवं समाजसेवी पुनीत त्यागी को सर्वसम्मति से दी गई। बैठक में ट्रस्ट के वरिष्ठ पदाधिकारियों व समाज के गणमान्य लोगों ने भाग लिया। सर्वसम्मति से संगठनात्मक मजबूती के लिए सोनीपत जिला इकाई का गठन भी किया गया। बैठक का शुभारंभ ट्रस्ट के पूर्व अध्यक्ष प्रमोद त्यागी ने किया। नवनियुक्त अध्यक्ष पुनीत त्यागी ने कहा कि त्यागी समाज को शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक उत्थान और रोजगार के क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए मजबूत संगठन की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि आज से जिले की इकाई समाज के विभिन्न कार्यक्रमों और अभियानों का संचालन करेगी।

कार्यकारिणी में शामिल सदस्य

बैठक में सर्वसम्मति से 15 सदस्यीय जिला कार्यकारिणी का गठन किया गया। उनमें तरुण प्रताप त्यागी गन्नौर,महेश त्यागी सरपंच घसौली, आशु त्यागी सरपंच धतूरी ,परविंदर त्यागी सरपंच जैनपुर ,संजय त्यागी ,अमित त्यागी मोनू त्यागी, प्रमोद त्यागी ,राजेंद्र त्यागी, प्रमोद त्यागी ,आशीष त्यागी सरपंच , गौरव त्यागी प्रधान बार एसोसिएशन गन्नौर, प्रमोद त्यागी, अरविंद त्यागी को सर्वसम्मति से बनाया गया।

परंपराओं से जुड़ाव ही असली ताकत : पुनीत

प्रधान पुनीत त्यागी ने कहा कि त्यागी समाज की असली ताकत उसकी एकजुटता और परंपराओं से जुड़ाव है। उन्होंने कहा कि नई कार्यकारिणी की जिम्मेदारी है कि वह समाज के हर वर्ग को जोड़ते हुए युवाओं को शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में आगे बढ़ाए।

नर सेवा ही नारायण सेवा : सुरेश वत्स

- सेवा ट्रस्ट यूके इंडिया ने वृद्धाश्रम में वृद्धों को फ्रूट जूस और शहद के उपहार भेंट किए

हरिभूमि न्यूज. सोनीपत

सेवा ट्रस्ट यूके इंडिया ने रविवार को विकास नगर स्थित वृद्धाश्रम में वृद्धों को फ्रूट जूस और शहद के उपहार भेंट किए। आनंद कुमार द्वारा संचालित वृद्धाश्रम में ट्रस्ट के जिला अध्यक्ष सुरेश वत्स ने बताया कि नर सेवा ही नारायण सेवा है। यह कथन स्वामी विवेकानंद जी का है। उन्होंने कहा जब हम मानव सेवा करते हैं तो सच्चे अर्थों में हम ईश्वर की ही सेवा कर रहे होते हैं। स्टेट अवार्डी मास्टर दिलबाग सिंह ने बताया कि वृद्धजन हमारे प्रेरणास्रोत होते हैं।

सोनीपत। वृद्धों के साथ ट्रस्ट के पदाधिकारी।

जरूरतमंदों की सहायता अवश्य करें

जिन परिवारों में वृद्धजनों का सम्मान होता है, वह घर हमेशा आबाद रहते हैं। भारत स्वाभिमान न्यास, सोनीपत के जिला प्रभारी, सूर्यनमस्कार के वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर, लक्ष्य स्वस्थ सोनीपत समिति के अध्यक्ष इंजीनियर लक्ष्मीनारायण ने सभी समर्थ लोगों से आह्वान किया कि वे ऐसे जरूरतमंद लोगों की अपने स्तर पर किसी न किसी प्रकार से सहायता अवश्य करें। इस अवसर पर लक्ष्य स्वस्थ सोनीपत समिति के उपप्रधान सतवीर गौतम, पहलवान हवासिंह आंतिल, गणित विशेषज्ञ संजय कुमार, रमेश मदान, पवन पालीवाल आदि उपस्थित रहे।

विधायक ने सुनीं पीएम की मन की बात

सोनीपत। विधायक निखिल मदान ने रविवार को देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आकाशवाणी कार्यक्रम मन की बात को कार्यकर्ताओं और नागरिकों के साथ सुना। जटवाड़ा में बूथ नंबर 1 पर पहुंचे निखिल मदान ने बताया कि आज के संस्करण में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि बच्चे विशेष रूप से खेलों पर फोकस करे, खेल केवल मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण और युवाओं की शक्ति का प्रतीक हैं। उन्होंने पुलवामा में आयोजित पहले डे नाईट क्रिकेट मैच का जिक्र किया और बताया कि कैसे जो कभी असंभव लगता था, आज वह संभव हो रहा है—मेरा देश बदल रहा है।

शैक्षणिक खंड कथूरा के सांस्कृतिक कार्यक्रम में गांव धनाना के छोरे का जलवा

खंड स्तरीय रागिनी स्पर्धा में नैतिक राठी रहा अव्वल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

खंड स्तरीय रागिनी प्रतियोगिता में शिवनगरी धनाना के 16 वर्षीय कलाकार नैतिक राठी अव्वल रहे। इस उदीयमान बाल कलाकार ने सुरीले सुरों से ऐसा समां बांधा कि दर्शक भावभोर हो गए और पूरा कार्यक्रम तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। नैतिक राठी के इस उत्कृष्ट प्रदर्शन से उसके परिवार व गांव में खुशी का माहौल है। शिक्षा विभाग द्वारा खंड स्तर पर खेल प्रतियोगिताएं एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। शैक्षणिक खंड कथूरा के सांस्कृतिक कार्यक्रम गांव कथूरा में सम्पन्न हुए जिसमें खंड क्षेत्र के विभिन्न राजकीय एवं गैर राजकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों ने प्रस्तुति दी।

कार्यक्रम में रागिनी प्रतियोगिता में नैतिक राठी अव्वल रहे। इस आधार पर उनका चयन जिला स्तर के लिए कर लिया गया जिसकी अभी तारीख और स्थान तय नहीं किया गया है।

गोहाना। नैतिक राठी प्रतियोगिता में जीती गई ट्राफी (इनाम) अपनी मां को देते हुए।

उज्ज्वल भविष्य की कामना की

नैतिक राठी को उनके दादा रामकिशन राठी, पिता प्रमोद राठी और मां कविता ने अपना आशीर्वाद देकर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। वह गांव धनाना स्थित रावमावि में कक्षा 11वीं के छात्र हैं। यह उदीयमान कलाकार चौपाल कार्यक्रमों में भी कई बार अपनी कला प्रतिभा की छाप छोड़ चुका है।

गन्नौर। मुख्यमंत्री के ओएसडी वीरेंद्र बड़खालसा भव्य बलिदान समारोह की तैयारी को लेकर आयोजित बैठक को संबोधित करते हुए ।

कुशाल सिंह दहिया का बलिदान समारोह 15 को : वीरेंद्र बड़खालसा

गन्नौर। अमर बलिदानी कुशाल सिंह दहिया की स्मृति में आगामी 15 नवंबर को राई स्थित स्मारक स्थल पर भव्य बलिदान समारोह आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम की तैयारी को लेकर विधानसभा स्तर की प्रजापति धर्मशाला में बैठक हुई। बैठक में मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री के ओएसडी वीरेंद्र बड़खालसा ने शिरकत की । वीरेंद्र ने संबोधित करते हुए कहा कि आज अगर हम अपने स्वधर्म, संस्कृति और परंपराओं के साथ गौरवपूर्वक जीवन जी रहे हैं, तो इसके पीछे हमारे महापुरुषों और शहीदों का अपार बलिदान है। जिन्होंने अपने प्राणों की आहुति देकर हमें धर्म बचाया और पहचान दिलाई। जो समाज अपने गौरवशाली इतिहास और शहीदों को भूल जाता है, उसका पतन शीघ्र होता है। हमें उनके बताए मार्ग पर चलकर उनके आदर्शों को आत्मसात करना चाहिए। उन्होंने आह्वान किया कि बलिदान दिवस समारोह को हर गांव का जन-जन अपनी जिम्मेदारी समझे और इसे पूरे हरियाणा का उत्सव बनाएं।

विमुक्ति दिवस के मौके पर मेयर राजीव जैन ने किया संबोधित

विमुक्त एवं घुमंतू जाति का इतिहास वीरता से भरा : जैन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

विमुक्त एवं घुमंतू जाति का इतिहास वीरता से भरा है, इनकी वीरता से घबराकर अंग्रेजों ने 1871 में इन जातियों पर क्रिमिनल ट्राईबल एक्ट लागू कर दिया था ताकि उनकी गतिविधियों पर नजर रखी जा सके, देश की आजादी के 5 वर्षों बाद 31 अगस्त 1952 को इन जातियों को क्रिमिनल ट्राईबल एक्ट से मुक्त घोषित किया गया। उक्त विचार विमुक्त एवं घुमंतू जाति सलाहकार समिति के पूर्व चेयरमैन एवं नगर निगम मेयर राजीव जैन ने विमुक्ति दिवस के अवसर पर बधाई देने के बाद व्यक्त किये।

सोनीपत। कार्यक्रम के दौरान मेयर राजीव जैन एवं अन्य।

समाज कल्याण के लिए काम करने का आह्वान

मेयर ने अंग्रेजी शासन में इन जातियों का युवक 12 वर्ष का होते ही थाने में हाजिरी देता था और इधर-उधर जाने के लिए अंग्रेजों से पास लेना पड़ता था जो गुलामी की प्रकाष्ठा थी। उन्होंने बताया कि हरियाणा सरकार ने इन जातियों के कल्याण के लिए सलाहकार समिति की अनुशंसा पर बोर्ड का गठन किया और सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक उत्थान के लिए प्रयास शुरू हुए। आजादी के इतने वर्षों बाद वोटर एवं राशन कार्ड बनवाकर घर देने की प्रक्रिया शुरू की गई। उन्होंने सभी से संगठित होकर समाज के कल्याण के लिए काम करने का आह्वान किया। इस अवसर पर अजय राठौर खरखोदा, चरण सिंह जोगी, महेंद्र सिंह, सुभाष, धीर सिंह, अजित, परवीन और विकास, संजय, इकबाल और समाज के अन्य व्यक्ति भी उपस्थित रहे।

विकास खुद सड़कों पर उतरा, सोनीपत की जनता से किया सच का सामना : गौतम

सोनीपत। सोनीपत में रविवार को भारी बारिश के बीच "विकास" का प्रतीकात्मक कॉस्ट्यूम पहनाकर जनता के बीच सड़कों पर उतारा गया। सिर पर हेलमेट, हाथ में बीजेपी का झंडा और चेहरा ढका हुआ था। यह "विकास" उस जनता से मिलने आया था, जिसके नाम पर वोट मांगकर नेताओं ने झूठे वादों का पुलिंदा बांटा था। ये प्रदर्शन आप हरियाणा के सोनीपत लोकसभा क्षेत्र अध्यक्ष देवेन्द्र गौतम के कथानुसार आज उन्होने विकास को जनता के दु:खो को समझने के लिए प्रतीकात्मक तरीके, अनोखे ढंग से सड़को पर उतारा।देवेन्द्र गौतम ने कहा कि आज बीजेपी के विकास ने गीता भवन चौक, सारंग रोड, दयाल चौक, ककरोई रोड़ चौक, शनि मंदिर रोड, स्थानीय विधायक के कार्यालय और प्रदेश अध्यक्ष भाजपा के कार्यालय के सामने तक जाकर, सड़कों पर भरे पानी को जनता के सामने उजागर किया। सेक्टर-15, सेक्टर-14, सेक्टर-14 मार्किट और आस-पास के इलाकों में बीजेपी नेताओं के बड़े-बड़े बोर्डों के ठीक नीचे पानी में डूबी सड़कों और गंदगी के ढेरों को दिखाया।

सोनीपत। विकास की कॉस्टयूम पहनकर जलभराव के बीच ऑटो रिक्शा को धक्का लगाते हुए।

राष्ट्रीय खेल दिवस : छात्राओं के सैम मानेकशॉ ग्रुप ने जीती ध्यानचंद ट्रॉफी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

हर गली हर मैदान खेले सारा हिंदुस्तान, खेले भी खिले भी थीम पर जीवीएम गर्ल्स कालेज में आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय खेल दिवस के समापन समारोह में छात्राओं के सैम मानेकशॉ ग्रुप ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए मेजर ध्यानचंद ट्रॉफी जीती। संस्था के प्रधान डा. ओपी परूथी व प्राचार्या डा. मंजुला स्पाह ने विजेताओं को बधाई देते हुए मेजर ध्यानचंद को नमन कर छात्राओं को खेलों में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। फिट इंडिया-ध्यानचंद अभियान के अंतर्गत जीवीएम में 29 अगस्त से 31 अगस्त तक राष्ट्रीय खेल दिवस का आयोजन किया गया, जिसके अंतर्गत विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं करवाई गई। तीन दिवसीय खेल प्रतियोगिताओं में छात्राओं ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। खेल दिवस के अंतिम दिन आयोजित फर्राटा दौड़ (100 मीटर) में सुमन, टेबल टेनिस में कोमल, शतरंज में तनीषा, रस्साकशी में सैम मानेकशॉ समूह, रूमाल झपट्टा में रानी लक्ष्मीबाई समूह, खो-खो में सैम मानेकशॉ समूह विजेता बना।

खेल मेजर ध्यानचंद की पुण्यतिथि पर कैबिनेट मंत्री ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए किया नमन

खेलों में सुपर पावर है हरियाणा, सबसे ज्यादा पदक हमारे खिलाड़ियों के : कृष्ण लाल पंवार

राष्ट्रीय खेल दिवस पर सोनीपत सेक्टर-4 स्थित खेल स्टेडियम में किया जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

हरियाणा के पंचायती राज एवं विकास मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने मेजर ध्यानचंद की पुण्यतिथि पर रविवार को सेक्टर-4 स्थित खेल स्टेडियम में आयोजित जिला स्तरीय खेल दिवस कार्यक्रम में पहुंचकर मेजर ध्यानचंद को श्रद्धांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर उन्होंने राज्य सरकार की खेल नीतियों एवं उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि खेलों में सुपर पावर है हरियाणा, ओलंपिक हो या एशियाड सबसे ज्यादा पदक हमारे खिलाड़ियों के आते है।

सोनीपत। खिलाड़ियों के साथ मंत्री, विधायकगण, मेयर एवं अन्य।

साइक्लोथॉन को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

कृष्ण लाल पंवार ने खेल दिवस के उपलक्ष्य में नशा मुक्त हरियाणा अभियान के तहत आयोजित साइक्लोथॉन को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने कहा कि आज तेज बारिश के कारण भी सैकड़ों की संख्या में यहां पहुंचे युवाओं के जज्बा व जनून दिखाता है कि आने वाले भारत का भविष्य स्वर्णिम है और इन्ही युवाओं की शक्ति से हमारा देश वर्ष 2047 तक विकसित बनेगा और क्षेत्र में अपनी नई उठान भरेगा। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि मेजर ध्यानचंद का नाम आते ही हमारे सामने हॉकी के अद्भुत कौशल और गोल की छवि उभरती है। उनका जीवन संघर्ष और अनुशासन का प्रतीक है। उन्होंने सिद्ध किया कि खेल केवल शारीरिक गतिविधि नहीं बल्कि चरित्र निर्माण, अनुशासन और टीम भावना का माध्यम हैं। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल बडोली ने राष्ट्रीय खेल दिवस पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मेजर ध्यानचंद ने भारतीय हॉकी को जिस ऊंचाई पर पहुंचाया, वह हर खिलाड़ी के लिए प्रेरणास्रोत है।

खिलाड़ी हमारे देश का मान : पंवार

हमारे खिलाड़ी केवल पदक ही नहीं जीत रहे, बल्कि भारत का मान और गौरव भी बढ़ा रहे हैं। हरियाणा की मिट्टी से निकलने वाले खिलाड़ियों में अपार प्रतिभा है। कार्यक्रम में राई से विधायक कृष्णा गहलावत, सोनीपत से विधायक निखिल मदान, गन्नौर से देवेंद्र कादियान, मेयर राजीव जैन, जिला महामंत्री तरुण देवी दास आदि उपस्थित रहे।